

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोन:- 226422, 226423 फैक्स:- 02973-226424

वर्ष: 20

संख्या: 69

प्रभात

जालोर, सोमवार 16 जून, 2025

पो. रजि. /R/J/SRO/9640/2022-24

पृष्ठ 6

मूल्य 2.50 रु.

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में 7 लोगों की मौत

हेलीकॉप्टर बाबा केदारनाथ के दर्शन करा कर पाँच श्रद्धालुओं व एक मंदिर कर्मचारी को वापस ला रहा था

रूद्रप्रयाग/देहरादून, 15 जून। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में रविवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पायलट सहित उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गयी।

हेलीकॉप्टर बाबा केदारनाथ के दर्शन करा कर पांच श्रद्धालुओं और मंदिर समिति के एक कर्मचारी को वापस ला रहा था, इसी बीच खराब होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे पायलट सहित उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 23 महीने की बच्ची भी है। श्रद्धालु परिवार महाराष्ट्र का निवासी था।

हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि रविवार सुबह करीब सुबह 5.30 बजे आर्यन एविएशन कंपनी का हेलिकॉप्टर वीटीबीकेए/बीईएलएल 407 गौरीकुंड क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर गौरी माई खर्क से ऊपर जंगल में गिरा है। दुर्घटना की वजह खराब मौसम है। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा था। गौरीकुंड के ऊपर घास काट रही नेपाली मूल की महिलाओं ने दुर्घटना की सूचना दी।

■ हेलीकॉप्टर सुबह 5:21 पर केदारनाथ से रवाना हुआ था। इस समय क्षेत्र में अत्यधिक कोहरा था व दृश्यता लगभग शून्य हो गई थी।

■ हादसे में मरने वालों में पायलट कैप्टन राजबीर सिंह चौहान (जयपुर), विक्रम रावत (कर्मचारी), विनोद देवी व तृष्ठी सिंह (उत्तर प्रदेश) राजकुमार, श्रद्धा व काशी (महाराष्ट्र) हैं।

■ उत्तराखंड में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि दो मई को केदारनाथ के पट खुलने के बाद यह पाँचवीं दुर्घटना है। इस बात की जाँच होनी चाहिए कि ज्यादा कमाई के लिए डीजीसीए के मानकों की अवहेलना तो नहीं की जा रही।

रूद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर केदारनाथ से प्रातः 5:21 बजे गुप्तकाशी के लिए रवाना हुआ था एवं 5:24 बजे इसे वेली पॉइंट के पास देखा गया। उस समय क्षेत्र में अत्यधिक कोहरा था जिससे दृश्यता शून्य हो गई थी। हेलिकॉप्टर कंपनी ने 6:13 बजे हेलीकॉप्टर के गुप्तकाशी न पहुँचने की जानकारी दी। इसके पश्चात तत्काल कार्रवाई करते हुए खोज एवं

बचाव अभियान शुरू किया गया और आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों को सक्रिय किया गया। जिसमें जिला आपदा मोचन बल की टीम के साथ एसडीआरएफ की छह टीमें, एनडीआरएफ की आठ टीम और 22 पुलिसकर्मी शामिल थे। राहत एवं बचाव दलों ने घटनास्थल गौरीकुंड से लगभग पांच किलोमीटर ऊपर स्थित गौरी में खड़क नामक स्थान पर तलाश और बचाव अभियान शुरू किया है। राजवर

ने बताया कि हादसे के शिकार लोगों के शव बुरी तरह से जल गए हैं।

रजवार ने बताया कि मृतकों की पहचान कैप्टन राजबीर सिंह चौहान, पायलट, निवासी जयपुर, विक्रम रावत, कर्मचारी, बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति, निवासी रासी ऊखीमठ, (45), विनोद देवी, निवासी उत्तर प्रदेश, (66) , तृष्ठी सिंह उत्तर प्रदेश, (19) , राजकुमार पुत्र सुरेश जायसवाल, निवासी महाराष्ट्र, (41) , श्रद्धा पत्नी राजकुमार जायसवाल, निवासी महाराष्ट्र, (35) , काशी पुत्री राजकुमार, निवासी महाराष्ट्र, बालिका (02) के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है। फॉरेंसिक टीम तथा डीएनए सेंसिंग टीम भी मौके पर पहुँच गई है। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में हेलीकॉप्टर दुर्घटना पर रविवार को गहरा दुःख व्यक्त किया।

राजभवन की ओर से जारी बयान में उन्होंने दुर्घटना में हताहत हुए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जम्मू-कश्मीर के 1300 छात्र ईरान-इज़रायल युद्ध में फंसे

श्रीनगर, 15 जून। ईरान और इज़रायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने भारत के जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। चिंता का कारण जो, 1300 छात्र हैं, जो मुख्यतः एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए ईरान में रह रहे हैं। परिजन छात्रों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं और उन्होंने भारत सरकार से तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन की माँग की है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल काँग्रेस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने भी केंद्र सरकार

■ ये छात्र मुख्यतः एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए ईरान में हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केन्द्र सरकार से इस बारे में त्वरित कार्यवाही करने की अपील की।

से त्वरित कार्रवाई की अपील की है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर विदेश मंत्रालय को टैग करते हुए लिखा है कि ईरान में फंसे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। छात्रों परिजन बेहद चिंतित हैं और हम इस संकट की घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। हरसंभव कदम तुरंत उठाए जाएं।

कश्मीर छात्र संघ का कहना है कि छात्रों के हालात गंभीर हैं और लगातार हमलों से मानसिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड चारधाम हेलीकॉप्टर सेवा सोमवार तक बंद

देहरादून, 15 जून। उत्तराखंड में प्रचलित गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ धामों की यात्रा के लिए आगामी सोमवार तक हेलीकॉप्टर सेवा पूर्ण रूप से बंद रहेगी। चारधाम में लगे सभी हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों एवं पायलटों के उच्च हिमालय क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जाँच होगी एवं सभी ऑपरेटरों के साथ बैठक के बाद ही पुनः हेलीकॉप्टर सेवा को सुचारु किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को अपने आवास में हुई बैठक के दौरान ये निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राज्य में अब

■ उच्च हिमालय क्षेत्रों में पायलटों के उड़ान के अनुभवों की जाँच व ऑपरेटरों के साथ बैठक के बाद यह सेवा वापस शुरू की जायेगी।

हेलीकॉप्टर उड़ानों के बेहतर समन्वय और सुरक्षित संचालन के लिए देहरादून में एक कॉमन कमांड एवं कोऑर्डिनेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी, जिसमें डीजीसीए, आपदा विभाग, सिविल एविएशन, यूकाडा, हेली आपरेटर कम्पनी के अधिकारियों की तैनाती होगी।

मुख्यमंत्री ने सचिव, गृह की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने

के निर्देश दिए। जिसमें डीजीसीए, यूकाडा, नागरिक उड्डयन विभाग भारत सरकार, एटीसी के प्रतिनिधि सदस्य के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने इज़रायल पर हमले शुरू किये, हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद किया

इज़रायल ने कहा, ईरान ने आवासीय इमारत पर रॉकेट दागा, जिसमें एक महिला की मौत हुई व 13 लोग घायल हुए

तेहरान, 15 जून। ईरान की इस्लामिक रिवालयूशन गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने शनिवार देर रात इज़रायल के खिलाफ एक बड़ी संयुक्त हमले की कार्रवाई शुरू की जिसमें बड़ी संख्या में मिसाइलें और ड्रोन शामिल थे।

आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट, सेपाह न्यूज़ ने बताया कि आईआरजीसी के एयरोस्पेस डिवीजन ने इज़रायल के 'बार-बार के आक्रमणों' के जवाब में हमला किया।

इज़रायल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सेवा, मैगन डेवडिग एडीम के अनुसार इज़रायल के उत्तरी इलाके में एक रॉकेट ने आवासीय इमारत को निशाना बनाया, जिसमें एक महिला की मौत हो गयी और 13 लोग घायल हुये। कई अन्य लोगों को चोटें आने के बाद अस्पताल पहुँचाया गया। इससे पहले, शुरुआत से ही

■ ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय ने पुष्टी की कि तेहरान में दो तेल-भंडार हमलों में क्षतिग्रस्त हुए हैं, पर स्थिति नियंत्रण में है।

ईरानी हमले में तीन लोग मारे गए और 204 घायल हुये हैं। हाफ़ाज़ा और उत्तरी इलाकों के बाहर के निवासियों को होम फ्रंट कमांड ने बंकर से बाहर निकलने की अनुमति दी लेकिन सुरक्षा के करीब रहने को कहा।

इज़रायली सेना ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय रूप से मिसाइलों को रोक रही है जबकि इज़रायली वायु सेना ने तेहरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किये हैं।

ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय ने पुष्टि की कि हमलों में तेहरान में दो तेल भंडार क्षतिग्रस्त हुए। राजधानी के पश्चिमी और उत्तरी इलाकों में दो तेज धमाकों की आवाज़ सुनायी दी। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। इस बीच, जॉर्डन ने ईरानी मिसाइल हमले के बाद सुरक्षा के चलते शनिवार देर रात अपना हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद कर दिया। देश के नागरिक उड्डयन नियामक आयोग ने घोषणा की कि नागरिक उड्डयन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। ईरान ने इज़रायली हवाई हमलों के जवाब में हमला किया जिसने शुक्रवार को तेहरान और अन्य शहरों को निशाना बनाया था।

ईरानी अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों में कई वरिष्ठ सैन्य कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक और कई नागरिक मारे गये।

कूनों से निकला चीतों का झुंड पगारा क्षेत्र में नज़र आया

मुरैना, 15 जून। मध्यप्रदेश के चंबल संभाग के श्योपुर जिला स्थित कूनों नेशनल पार्क से निकलकर पांच चीतों का झुंड आज सुबह मुरैना जिले के जौरा अनुभाग के पगारा क्षेत्र में दिखाई दिया जिससे लोगों में दहशत पैदा हो गई है।

रविवार सुबह घूमने निकले लोगों ने चीतों का वीडियो बनाकर वायरल कर

■ वन विभाग ने

ग्रामीणों से अपील की है कि चीते कभी भी नागरिकों को क्षति नहीं पहुँचाते हैं, अतः इनके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं करें।

दिया, जो सोशल मीडिया पर जमकर देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग को क्षेत्र में चीतों के होने की सूचना दी। अब वन विभाग के अधिकारी और चीता मित्र उनकी निगरानी कर रहे हैं।

वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि चीतों का झुंड पगारा क्षेत्र से देवगढ़ गांव की ओर निकल गया है। उन्होंने ग्रामीणों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूपाणी के शव की डीएनए पहचान हुई, आज अंतिम संस्कार

अहमदाबाद, 15 जून। बोते गुरुवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के शव की पहचान हो गई है। रविवार को उनका डीएनए उनके परिवार के सदस्य के डीएनए से मैच हो गया। परिवार के अनुसार, राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा।

गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया

■ अहमदाबाद के विमान हादसे में मरने वालों की संख्या 275 हो गई। अब तक 248 शवों के डीएनए सैम्पल लिये गए, जिनमें 41 की शिनाख्त हो गई।

कि विजय रूपाणी के डीएनए का मिलान सुबह 11:10 बजे हो गया और उनके परिवार को इसकी जानकारी दे दी गई है। उनके पार्थिव शरीर को जल्द ही राजकोट ले जाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार होगा। जानकारी के अनुसार चार्टर्ड प्लेन से उनके शव को राजकोट भेजा जाएगा।

जानकारी के अनुसार, 12 जून को हुए प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। आज सुबह तक 248 शवों के डीएनए सैम्पल लिए गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र सरकार ने राजस्थान की सड़कों के लिये 1914 करोड़ रूपए स्वीकृत किये

जयपुर, 15 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लिए 1914 करोड़ 71 लाख रूपए स्वीकृत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय सड़क परिवहन व राज्यमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है।

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा यह राशि केन्द्रीय सड़क अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) के तहत लगभग 1000 किलोमीटर लंबाई की 40 राज्य सड़क परियोजनाओं

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री मोदी व सड़क परिवहन मंत्री गडकरी का आभार व्यक्त किया।

के लिए स्वीकृत की गई है। इनमें 31 प्रमुख जिला सड़कें, 8 राज्य राजमार्ग और एक अन्य जिला सड़क शामिल है। स्वीकृत की गई राशि से इन सड़कों के खपड़ों का मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य सरकार निरंतर देश-प्रदेश के आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में सड़क तंत्र की अहम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वन विशेषज्ञ डॉ. सतीश शर्मा व दो जीव-वैज्ञानिकों ने कुंडेश्वर महादेव क्षेत्र में एक जलधार की वनस्पति पर बैठी दुर्लभ डैमज़लफलाई खोजी

उदयपुर, 15 जून। जैव विविधता से समृद्ध वागड़-मेवाड़ अंचल में दुर्लभ वन्य जीव वनस्पतियों की खोज का क्रम लगातार जारी है। इसी श्रृंखला में उदयपुर अंचल में दुर्लभ प्रजाति की दो डैमज़लफलाई देखी गयी हैं।

उदयपुर के सेवानिवृत्त वन विशेषज्ञ डॉ. सतीश कुमार शर्मा तथा फ़ाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्यूरिटी के दो जीव विज्ञानी, डॉ. अनिल सरसावन तथा मनोहर पवार ने उदयपुर जिले के कुंडेश्वर महादेव

■ डॉ. सतीश शर्मा ने बताया कि स्प्लैंडिड हार्टलैट नामक डैमज़लफलाई एक पतली, आँखों पर दो रंग की आभा वाली डैमज़लफलाई है, जिसमें नर व मादा को स्पष्ट रूप में विभेदित किया जा सकता है।

झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल व गुजरात में उपस्थित ज्ञात है तथा राजस्थान भी अब इस सूची में शामिल हो गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कहा जाता है, यह एक पतली, आँखों पर दो रंग की आभा वाली डैमज़लफलाई है, जिसमें नर व मादा को स्पष्ट रूप से विभेदित किया जा सकता है। नर के शरीर में काले रंग से कहीं-कहीं नीली आभा नजर आती है जबकि मादा में शरीर की आभा भूरापन लिए होती है। भारत में इस कीट की असम, त्रिपुरा, बंगाल, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, बिहार,

झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल व गुजरात में उपस्थित ज्ञात है तथा राजस्थान भी अब इस सूची में शामिल हो गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)



उदयपुर अंचल में दुर्लभ प्रजाति की दो डैमज़लफलाई देखी गयी हैं। उदयपुर के सेवानिवृत्त वन विशेषज्ञ डॉ. सतीश कुमार शर्मा तथा फ़ाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक््यूरिटी के दो जीव विज्ञानी, डॉ. अनिल सरसावन तथा मनोहर पवार ने उदयपुर जिले के कुंडेश्वर महादेव क्षेत्र में स्प्लैंडिड हार्टलैट नामक डैमज़लफलाई की खोज की है।

CMYK

● ● ● ●

⊕

● ● ● ●

⊕

● ● ● ●

⊕

● ● ● ●

CMYK

विचार बिन्दु

अवसर तो सभी को ज़िंदगी में मिलते हैं किंतु उनका सही वक्त पर सही तरीक़े से इस्तेमाल कितने कर पाते हैं? –संतोष गोयल

इतना काफ़ी है!

संस्कृत विद्वान् मम्मट ने अपने ग्रंथ काव्य प्रकाश में काव्य के छह प्रयोजन बताए हैं: काव्य्यंयशसेऽर्थकृतेव्यवहारविदेशिवेत्तरक्षतये। सद्यः परनिर्वृतयेकान्तासम्मिततयपेदेशयुजे॥ यहाँ यह जान लेना उचित होगा कि संस्कृत में काव्य का प्रयोग उसी अर्थ में होता था जिस अर्थ में आज सामान्य बोलचाल में साहित्य का प्रयोग होता है। आचार्य मम्मट यहां काव्य (अर्थात साहित्य) के जो प्रयोजन बता रहे हैं वे हैं – यश, अर्थ, व्यवहार ज्ञान, शिव से इतर अर्थात अशिव की क्षित, कांता (पत्नी) के समान उपदेश और तत्काल परम आनंद की प्राप्ति। स्थूल रूप से आज भी साहित्य के ये ही प्रयोजन हैं। कुछ लोग पैसों के लिए लिखते हैं, कुछ नाम/ख्याति के लिए। कुछ लोग लिख कर दुनिया की बुराइयों को नष्ट या कम करना चाहते हैं। 1936 में लखनऊ में आयोजित हुए प्रगतिशील लेखक संघ के प्रथम अधिवेशन में प्रेमचंद ने जो अध्यक्षीय भाषण दिया था, और जो साहित्य का उद्देश्य: प्रगतिशीलता शीर्षक से सुलभ है, उसमिं इस महान कथाकार ने कहा था कि साहित्यकार या कलाकार स्वभावतः प्रगतिशील होता है। अगर यह उसका स्वभाव न होता, तो शायद वह साहित्यकार ही न होता। उसे अपने अन्दर भी एक कमी महसूस होती है और बाहर भी। इसी कमी को पूरा करने के लिए उसकी आत्मा बेचैन रहती है। अपनी कल्पना में वह व्यक्ति और समाज को सुख और स्वच्छंदता की जिस अवस्था में देkhना चाहता है, वह उसे दिखाई नहीं देती। इसलिए, वर्तमान मानसिक और सामाजिक अवस्थाओं से उसका दिल कुद़ता रहता है। वह इन अग्रिय अवस्थाओं का अन्त कर देना चाहता है, जिससे दुनिया जीने और मरने के लिए इससे अधिक अच्छा स्थान हो जाय़ा। यही वेदना और यही भाव उसके हृदय और मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखता है।” प्रकारांतर से प्रेमचंद वही बात कह रहे हैं जो आचार्य मम्मट ने ‘शिवेतरक्षतये’ के द्वारा कही थी। आज बहुत सारे लेखक दुनिया की स्थितियों को देखकर व्यथित होते हैं और वे चाहे जिस विधा में लिखें, अपने लेखन के द्वारा उस स्थिति को बदलने का उपक्रम करते हैं। यह बात जान ली जानी जरूरी है कि साहित्यकार के पास वैसी कोई ताकत नहीं होती है जैसी किसी नेता के पास, अधिकारी के पास या न्यायाधीश के पास होती है। इसलिए यह उम्मीद करना कि कोई एक कहानी या एक कविता लिखेगा और समाज की कोई बुराई दूर हो जाएगी, अव्यावहारिक होगा। लेकिन यह भी सही है कि साहित्य अपने पाठक को संस्कारित करता है और बदलता है। एक अच्छी कहानी, कविता या किसी भी अन्य विधा में आप कुछ भी पढ़ें, पढ़ने के बाद आप स्वयं को थोड़ा बदला हुआ अवश्य महसूस करेंगे।

संस्कृत में एक अभिव्यक्ति बहुत प्रचलित है –स्वातः सुखाय। सुजन के संदर्भ में इसका प्रयोग होता है। हमने जो किया, जो लिखा, अपने सुख के लिए किया-लिखा। लेकिन क्या वाकई हम केवल अपने सुख के लिए लिखते हैं? अगर ऐसा है तो उसे सार्वजनिक क्यों करते हैं? बस, इसी सवाल के जवाब में यह रहस्य छिपा है कि जो स्वातः सुखाय है उसमें भी कहीं न कहीं पर हित की बात जुड़ी है। वही बात जिसे प्रेमचंद ने साहित्यकार को अंदर ही अंदर एक कमी महसूस होती है कहा है। मैं दुनिया को जैसा देkhना चाहता हूं, जब उसे वैसी नहीं पाता हूं तो बेचैन होता हूं, और

एक आदमी सुबह-सुबह समुद्र के किनारे टहल रहा था। उसने देखा कि लहरों के साथ सैकड़ों मछलियाँ तट पर आ जाती हैं और जब लहरें पीछे जाती हैं तो मछलियाँ किनारे पर ही रह जाती हैं और धूप से मर जाती हैं। जब उसने यह मंज़र देखा तब लहरें ताज़ा थीं और मछलियाँ जीवित थीं। वह आदमी कुछ क्रदम आगे बढ़ा, उसने एक मछली उठाई और उसे पानी में फेंक दिया। ऐसा वह बार-बार करता रहा। उस आदमी के ठीक पीछे एक और आदमी था जो यह नहीं समझ पा रहा था कि वह क्या और क्यों कर रहा है। वह उसके पास आया और पूछा, “तुम क्या कर रहे हो? यहाँ तो अनगिनत मछलियाँ हैं। तुम उनमें से कितनों को बचा सकोगे? और इससे क्या फ़र्क़ पड़ेगा?” उस आदमी ने कोई जवाब नहीं दिया, दो क्रदम आगे बढ़कर एक और मछली को उठाकर पानी में फेंक दिया और बोला, “इससे इस एक मछली को तो फ़र्क़ पड़ता है।”

न कि इस शहर में वो कोई बारात हो या वारदात/ अब किसी भी बात पर खुलती नहीं है खिडकियाँ। तो बात लेखक की निराशा की है। क्या बुराई के प्रति समाज की उदासीनता और उसके लगभग स्वीकार से उसे मान लेना चाहिए कि अब किसी को उसकी ज़रूरत नहीं है। वह कुछ नहीं कर सकता। उसे लिखना बंद कर देना चाहिए? कभी संत कबीर ने लिखा था, सुखिया सब संसार है, खावैअरूसोवै। / दुखिया दास कबीर है, जागैअरूसोवै।” तो, कबीर के वंशजों को तो दुखी ही रहना है। यही उनकी नियति है। और ऐसा भी नहीं है कि लेखन का कोई असर नहीं होता है। लेखन का, और अच्छे काम का। हमारे मित्र और हिंदी के शीर्षस्थ कथाकारों में से एक स्वयं प्रकाश ने एक संस्मरणात्मक किताब लिखी थी– ‘धूप में नंगे पांव’। इस किताब में वे एक अत्यंत मार्मिक प्रसंग लिखते हैं। स्वयं प्रकाश अपनी नौकरी के सिलसिले में सुदूर उड़ीसा (अब ओडिशा) के एक बहुत छोटे कस्बे सर्गीपल्ली में रहे रहे थे।एक बार वे छुट्टियां बिता कर अजमेर से सर्गीपल्ली जा रहे थे। साथ में पत्नी, बहन और दो छोटी बेटियां थीं। सर्गीपल्ली पहुंचते-पहुंचते घुप्प अंधेरा हो गया और तेज़ बरसात होने लगी। हालात कुछ ऐसे बने कि ये चारों पानी के तेज़ बहाव में बस बहने ही को थे, कि अचानक एक वृद्ध साइट इंजीनियर जिनका नाम महापात्र है, अपने साथियों के साथ इनकी मदद को आते हैं और इन्हें अपनी झोंपड़ियों में ले जाते हैं। इस प्रसंग के बाद लेखक लिखता है, अगर इस दुनिया में सौ-दो सौ महापात्र बाबू भी हैं तो इससे अच्छी जगह और कहां हो सकती है? और क्या तुम्हारी ज़िंदगी में कभी कोई महापात्र बाबू नहीं आए? मेरा यह मानना है कि एक सगम और सचेत लेखक हमेशा यही महापात्र बाबू वाली भूमिका निभाहता है और उसकी इस भूमिका को कभी न कभी कोई स्वयं प्रकाश कृतज्ञतापूर्वक याद भी करता है।

यह लिखते हुए मुझे अनायास कहीं पढ़ी हुई एक कथा याद आ रही है। कथा इस तरह है: एक आदमी सुबह-सुबह समुद्र के किनारे टहल रहा था। उसने देखा कि लहरों के साथ सैकड़ों मछलियाँ तट पर आ जाती हैं और जब लहरें पीछे जाती हैं तो मछलियाँ किनारे पर ही रह जाती हैं और धूप से मर जाती हैं। जब उसने यह मंज़र देखा तब लहरें ताज़ा थीं और मछलियाँ जीवित थीं। वह आदमी कुछ क्रदम आगे बढ़ा, उसने एक मछली उठाई और उसे पानी में फेंक दिया। ऐसा वह बार-बार करता रहा। उस आदमी के ठीक पीछे एक और आदमी था जो यह नहीं समझ पा रहा था कि वह क्या और क्यों कर रहा है। वह उसके पास आया और पूछा, “तुम क्या कर रहे हो? यहाँ तो अनगिनत मछलियाँ हैं। तुम उनमें से कितनों को बचा सकोगे? और इससे क्या फ़र्क़ पड़ेगा?” उस आदमी ने कोई जवाब नहीं दिया, दो क्रदम आगे बढ़कर एक और मछली को उठाकर पानी में फेंक दिया और बोला, “इससे इस एक मछली को तो फ़र्क़ पड़ता है।”

तो मुझे लगता है कि भले ही इस पर को हमें लगे कि हमारी कोई नहीं सुन रहा है, यथार्थ यह है कि कोई न कोई तो हमारी बात सुनता ही है, और बदलता भी है। क्या हमारे लिखते-बोलते रहने के लिए इतना काफ़ी नहीं है?

–अतिथि संपादक, डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, (शिक्षाविद और साहित्यकार)

राशिफल

सोमवार 16 जून, 2025



पंडित अनिल शर्मा

राशि में संचार करेंगा। 2

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरु-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवि योग रात्रि 1:16 से आरम्भ होगा। आज नाग पंचमी (बंगाल में), कोकिला पंचमी, वैश्वि तुष्य है। पंचक दिन 1:10 से आरम्भ होंगे। **श्रेष्ठ चौघड़िया:** अमृत सूर्योदय से 7:19 तक, शुभ 9:02 से 10:44 तक, चर 2:10 से 3:52 तक, लाभ अमृत 3:52 से सूर्यास्त तक। **राहुकाल:** 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:18



मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियों दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह परचात अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।



तुला

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव होगा। व्यक्तित्व प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी वृद्धि होगी।



वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह परचात कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।



मिथुन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज बनते कार्य विगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।



धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संबंधोंमें व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। दिन के मध्यान्ह परचात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।



कर्क

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।



मकर

मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।



सिंह

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक कार्यों सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कुंभ

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।



कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।



मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिएदिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

सिंध नरेश महाराजा दाहिर सेन का राष्ट्र प्रेम और बलिदान इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय

सिंध के अंतिम हिंदू शासक महाराजा दाहिर सेन के शहीद दिवस 16 जून पर विशेष आलेख



वासुदेव देवनानी

महाराजा दाहिर सेन, सिंध के अंतिम हिंदू शासक थे, जिन्होंने 8वीं शताब्दी की शुरुआत में सिंध (वर्तमान पाकिस्तान में) पर शासन किया था। दाहिर सेन का नाम सिंध के एक महान शासक के रूप में इतिहास में स्वर्णक्षरों से लिखा हुआ है। वे राजा चच के सबसे छोटे पुत्र थे। दाहिर सेन के तख्त पर आसीन होने से पहले इनके भाई चंद्रसेन राजा थे जो, बौद्ध मत के समर्थक बताये जाते थे। उनकी वीरता और शासनकाल की घटनाएं इतिहास में अहम स्थान रखती हैं। वह एक शक्तिशाली और स्वतंत्र शासक थे, जिन्होंने अपने क्षेत्र की रक्षा एवं सिंध की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कई लड़ाइयां लड़ीं और अपनी वीरता का प्रदर्शन किया। उनकी कहानी आज भी दक्षिण एशियाई इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में पढ़ाई जाती है। उन्होंने सिंध को एक मजबूत और समृद्धशाली राज्य बनाया जो व्यापार और संस्कृति के केंद्र के रूप में भी जाना जाता था।

महाराजा दाहिर सेन का शासन काल 663 ईस्वी से 712 ईस्वी तक के मध्य बताया जाता है। उनके राज्य की राजधानी अलोर (अरोड़) में थी। उन्होंने सिंध को मजबूत राज्य बनाने के साथ ही सिंधु घाटी सभ्यता के संरक्षण के लिए भी अविस्मरणीय काम किया। उनका जीवन चरित्र कई इतिहास की किताबों में वर्णित है। 16 जून का दिन भारत के इतिहास का बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन सप्त सिंधु क्षेत्र के सिंध प्रदेश पर अरब हमलावरों का मुकाबला करते हुए सिंध नरेश महाराजा दाहिर सेन शहीद हुए थे।

इतिहासकारों के मुताबिक राजा दाहिर की हुकूमत पश्चिम में मकरान

तक, दक्षिण में अरब सागर और गुजरात तक, पूर्व में मौजूदा मालवा के केंद्र और राजपूताने तक और उत्तर में मुल्तान से गुजराकर दक्षिणी पंजाब तक फैली हुई थी। सिंध से ज़मीनी और समुद्री व्यापार भी होता था। राजा दाहिर ईसाफ़-पर्संद थे। उनके शासन में तीन तरह की अदालतें थीं, जिन्हें कोलास, सरपनास और गनास कहा जाता था, बड़े मुकदमें राजा के पास जाते थे जो सुप्रीम कोर्ट का दर्जा रखते थे। वर्तमान में, महाराजा दाहिर का यह शासन स्थल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में है।

खलीफा अबद अल बिन यूसुफ अरब का खलीफा बना और उसने अबद हज्जाज बिन यूसुफ को इराक का सुवेदार नियुक्त किया। हज्जाज ने प्रारम्भिक सफलताओं के बाद जून 712 में मोहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में अरब सेना को सिंध पर हमला करने का आदेश दिया। उस समय चच वंश के महाराजा दाहिर सेन सिंध नरेश थे। यह राजवंश शौर्य और पराक्रम में बढ़ा-चढ़ा नाम था। वैसे भी सिंध सागर से जुड़ा हुआ था, इसलिए उनकी जिस सुरक्षा के पुख्ता इत्तजामात कर रखे थे। नगर के चारों ओर सुदृढ़ प्राचीर थी। किला भी काफी मजबूत था। मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध के नगर देवल पर यह हमला बोला। देवल में एक ऐतिहासिक शिव मंदिर था। इसी मंदिर के कारण इस नगर को देवल या देवालय कहा जाता था। यह मंदिर और नगर वर्तमान कराची के नज़दीक ही था। उस समय सिंध प्रदेश की राजधानी अलोर थी। लेकिन राजधानी से भी ज्यादा जरूरी देवल की रक्षा करना अहम्मा माना जाता था। मान्यता थी कि यदि अरब देवल को न जीत सके तो दोबारा शायद सिंध की ओर मुंह न

करते लेकिन यदि मंदिर पर अरबों का कब्जा हो गया तो अरबों को आगे बढ़ने का रास्ता मिल जाता। सिंध व्यापार का भी बहुत बड़ा केन्द्र था। इसलिए यदि सिंध पर अरबों का कब्जा हो जाता तो व्यापार का यह महत्वपूर्ण मार्ग शत्रु के हाथ में चला जाता।

महाराजा दाहिर सेन ने अपने दो पुत्रों जयसिंह और घरसिया तथा अनेक इष्टजनों के साथ युद्ध करने आगे आए। उन्होंने जिलोर में उनके बेटे जयसिंह के नेतृत्व में सेना की एक टुकड़ी तैनात कर रखी थी। जयसिंह ने अपनी अंतिम सांस तक मोर्चा संभाले रखा लेकिन धीरे-धीरे उसके सभी सैनिक मारे गए। कासिम ने जयसिंह को अपने पक्ष में करने हेतु अनेक प्रलोभन दिए। परन्तु जयसिंह ने सिंधु की साक्षी में मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राण देना श्रेयस्कर समझा। अब अरब सेना देवल की प्राचीर तक आ पहुंची थी। अरब सेना देवालय की प्राचीर को भेद कर बार-बार अन्दर घुसने का प्रयास कर रही थी। उसके सैनिक तो धराशायी हो रहे थे, लेकिन देवल की प्राचीर को वे भेद नहीं पा रहे थे। दाहिर सेन स्वयं अपनी सेना का नेतृत्व कर रहे थे। देवालय के शिखर पर राज्य पताका फहरा रही थी। सिंध के लोगों का विश्वास था कि जब तक यह पताका शिखर पर फहराती रहेगी,तब तक सिंध अविजित ही रहेगा। लेकिन इस प्रतीक का यह महत्व अरब सैनिक नहीं जानते थे। इतिहास में प्रतीक ही किसी देश की गौरव गाथा का माध्यम बनते हैं।

प्रतीकों की रक्षा के लिए सेनाओं को मरते कटते देखा गया है। अरब सैनिक प्रतीकों के इस मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझ नहीं पा रहे थे लेकिन, घर के भेदिए इस रहस्य को जानते थे। इतिहास गवाह है कि भारत के पराभव में घर के इन्हीं भेदियों का हाथ रहा है। मोहम्मद बिन कासिम जब किसी भी तरह देवल की प्राचीर को भेद नहीं पा रहा था तो उसने घर के इन्हीं भेदियों की तलाश शुरू की।और देवल की जिस प्राचीर को भेदने में उसे सफलता नहीं मिल पा रही थी, घर भेदियों की तलाश में उसे अक्षय सफलता मिल गई। अब अरब सेना का सारा जोर किसी तरह देवल के शिखर पर फहरा रही उस पताका को ही गिराने में लग गया। सभी आग्नेय अक्षय देवल के शिखर की ओर चलने लगे। अचानक वह पताका नीचे गिर पड़ी। सिंध सैनिकों में हलचल होने लगी। दाहिर सेन के निकटस्थ सलाहकारों ने अनुभव कर लिया कि हतभय सिंध सैनिक अब ज्यादा देर तक शत्रु के सम्मुख टिक नहीं पाएंगे। उन्होंने महाराज को रणनीति के अनुसार किसी निकटस्थ प्रदेश में अपने

परिवार के साथ आश्रय लेने का आग्रह किया लेकिन, सिंध नरेश ने सिंध की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अनवरत लड़ाई जारी रखी और मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण देना ही बेहतर समझा। इस प्रकार महाराजा दाहिर सेन ने इतिहास की उज्ज्वल रमरमा की रक्षा करते हुए रणभूमि में लड़ते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मोहम्मद बिन कासिम ने उन्हें आत्म समर्पण करने का अवसर भी दिया, लेकिन दाहिर सेन ने शहादत का रास्ता ही चुना।

महाराजा दाहिर सेन की बेटियां का बदला : – महाराजा दाहिर सेन सिंध की दो बेटियाँ, परमाल और सूर्या देवी थीं, दोनों ने अपने पिता के साथ अरब आक्रमणकारियों के खिलाफ लड़ाई में भाग लिया था। जब अरब आक्रमणकारियों ने सिंध पर कब्जा कर लिया तो मुहम्मद बिन कासिम ने परमाल और सूर्या देवी को बंदी बना लिया गया। महाराजा दाहिर सेन सिंध की बहादुर बेटियों की शहादत एक ऐतिहासिक घटना है जो अरबआक्रमणकारियों के खिलाफ लड़ाई के दौरान हुई थी। बताया जाता है कि खलीफा बिन अब्दुल मालिक ने दोनों बेटियों को एक दो रोज आराम करने के बाद उनके हरम में लाने का आदेश दिया। एक रात दोनों को खलीफ़ा के हरम में बुलाया गया। खलीफ़ा ने अपने एक अधिकारी से कहा कि वो मालूम करके बताएं कि दोनों में कौन सी बेटी बड़ी है। बड़ी ने अपना नाम सूर्या देवी बताया और उसने जैसे ही उनके चेहरे से नकाब हटाया तो खलीफ़ा उनकी खूबसूरती देखकर दंग रह गए और उन्हें हाथ से अपनी तरफ खींचा लेकिन उन्होंने खुद को छुड़ाते हुए कहा, "बादशाह सलामत रहे, मैं बादशाह की क़ाविल नहीं क्योंकि,ादिल इमादुद्दीन मोहम्मद बिन क़ासिम ने हमें तीन रोज अपने पास रखा और उसके बाद खलीफ़ा की ख़िदमत में भेजा है। शायद आपका दस्तरू कुछ ऐसा है, बादशाहों के लिए ये बदनामी जायज़ नहीं।"

इतिहासकारों के अनुसार यह सुन खलीफ़ा, मोहम्मद बिन क़ासिम से बहुत नाराज़ हुए और आदेश जारी किया कि उन्हें संदूक में बंद कर दबाकर में हाज़िर किया जाए। जब ये फ़रमान मोहम्मद बिन क़ासिम को पहुंचा तो वो अवधूप में था। तुरंत आदेश का पालन हुआ और उन्हें दरबार पहुंचाया गया। खलीफ़ा के आदेश से मुहम्मद बिन कासिम को मौत के घाट उतार दिया गया। कहा जाता है कि उन्हें कच्ची चमड़ी में लपेटकर मारा गया था। यह एक बहुत ही दर्दनाक और क्रूर सजा थी जिसमें व्यक्ति को कच्ची चमड़ी में लपेटकर तब तक मारा जाता था जब

वर्षा जल की एक-एक बूंद का संरक्षण होगा, प्रदेश में भू-जल संकट से निजात मिलेगी

इस दिशा में एक ज़रूरी कदम कहा जा सकता है। प्रदेश में इस अभियान का शुभारम्भ जयपुर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 15 जून को किया गया। भू-जल विभाग द्वारा इस विचार को धरातल पर उतारने का बीड़ा उठाया गया, खासकर उन जिलों में जहां भू-जल संकट गहराता जा रहा था। प्रदेश में सिरोही, पाली, जोधपुर, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, झुंझुनूं और जयपुर से इसकी शुरुआत हुई और अब राज्य के अन्य जिलों में भी अभियान अंतर्गत भूजल रिचार्ज/जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। यह कोई सामान्य सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक पुल है जो उन लाखों प्रवासी राजस्थानियों को उनकी जन्मभूमि से जोड़ रहा है, जो देश-दुनिया में अपनी मेहनत से नाम कमा चुके हैं।

कैसे शुरू हुआ ये अभियान : – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'कैच द रन थीम पर जल शक्ति मंगलायत' द्वारा जल शक्ति अभियान वर्ष 2019 से प्रारम्भ किया गया। प्रत्येक वर्ष जल शक्ति अभियान हेतु अलग-अलग थीम रखी गईं। वर्ष 2025 में जल शक्ति अभियान हेतु जल संचयन जन भागीदारी-जन जागरूकता की थीम रखी गई। प्रधानमंत्री द्वारा जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानते हुए जल

संचयन जन भागीदारी अभियान का शुभारंभ 6 सितम्बर 2024 को गुजरात के सूरत में किया गया। **अभियान का मुख्य उद्देश्य :** – वर्षा जल की एक-एक बूंद का संरक्षण, संवर्धन व जल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण जन-सहभागिता से कर राज्य में गिरते भू-जल स्तर को रोकने के साथ-साथ आम-जन को जागरूक कर जल के प्रति व्यवहार परिवर्तन करना एवं जन भागीदारी से जल संचयन कर जन आंदोलन बनाया जाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। राजस्थान के इतिहास में जल-यबंधन का विशिष्ट स्थान रहा है। बाबाड़ियां, कुंड, जोहड़ और तालाब... ये सिर्फ जल स्रोत नहीं थे, बल्कि सामाजिक मेलजोल के केंद्र भी थे। 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान उस विरासत को आधुनिक तकनीक और जनभागीदारी के साथ जोड़ता है। जहां पहले राजा-महाराजा जल संरक्षण का बीड़ा उठाते थे, वहीं अब यह जिम्मेदारी जनता और प्रवासियों ने खुद उठाई है। कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान से भू-जल स्तर की गिरावट पर रोकथाम, कृषि और घरेलू उपयोग के लिए पानी की स्थायी उपलब्धता हो सकेगी। इस योजना का दिल है रिचार्ज शाप्ट। ये खास संरचनाएं वर्षा जल को सहेजने का सबसे अच्छा और कारगर

तरीका है। इसके माध्यम से सतह पर गिरा पानी वर्ष्य बहने के बजाय धरती की गोद में समा जाते हैं। इससे भूगर्भ का जल स्तर बढ़ जाता है। अभियान के अंतर्गत राज्य के अकार्यशील कुएं, बोरिंग व हेण्डपंपों द्वारा भी वर्षा जल का भू-जल में कृत्रिम पुनर्भरण संबंधी कार्य किया जा रहा है। इसी के साथ-साथ क्षेत्र विशेष के आधार पर उयुक्त कम लागत की जल संरक्षण संरचनाओं यथा रिचार्ज पिट, ट्रेन्स, रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के निर्माण की अभिनव पहल भी भामाशाहों द्वारा की जा रही है। अब प्रवासी राजस्थानी अपने गांवों में रिचार्ज शाप्ट एवं जल संरक्षण संरचनाएं बनवाने के लिए धन राशि व सहयोग दे रहे हैं। जिससे वर्षा जल सीधे जमीन के भीतर जाकर भूजल पुनर्भरण में मदद करेगा। यह केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि संवेदनाओं का समर्पण है। प्रदेश के 41 जिलों की 11 हजार 266 ग्राम पंचायतों में इस अभियान के तहत जल संरक्षण व भूजल रिचार्ज हेतु संरचनाओं का निर्माण कार्य किया जा रहा है। राज्य में गिरते भू-जल स्तर को रोकने के साथ-साथ जल संरक्षण कार्यों द्वारा सम्पूर्ण राज्य लाभान्वित होगा व भविष्य के लिए सतत व निरंतर जल स्रोतों की सुनिश्चिता हो सकेगी।

जल संचयन-जन भागीदारी अभियान “कर्मभूमि से मातृभूमि” के अन्तर्गत राज्य में लगभग कुल 45 हजार रिचार्ज एवं जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण आगामी 04 वर्षों में किये जाने का लक्ष्य रखा गया। वित्तीय वर्ष 2025-2026 में राज्य में 5000 रिचार्ज एवं जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण सामाजिक जिम्मेदारियों निधि ,वैतू निदकड्ड से कराये जाने की बजट घोषणा की गई है। अब तक लगभग 1 हजार 800 संरचनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है और शेष कार्य प्रगतिरित है। अभियान के अन्तर्गत रिचार्ज एवं जल संरक्षण स्थलों का चयन ग्राम विकास अधिकारियों द्वारा पंचायती राज विभाग के ई-पंचायत मोबाइल एप्लीकेशन पर किया जा रहा है। संरचना निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात् की जानकारी भी पंचायत मोबाइल एप के माध्यम से 45 हजार लक्ष्य के विरुद्ध 35 हजार रिचार्ज स्थलों का चयन किया जा चुका है।

–मानसिंह मीना , उप निदेशक, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जयपुर।

दौराई रेलवे स्टेशन के पास अंडरपास में भरे पानी में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत

दोनों बच्चे एक ही परिवार के रिश्तेदार थे और गर्मी की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आए हुये थे

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के ब्यावर रोड स्थित दौराई गांव में रविवार सुबह दौराई रेलवे स्टेशन के पास बने अंडरपास में बरसात का पानी भर जाने से दो मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन ली। पुलिस ने मासूमों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजन के सुपुर्द कर दिया।

रामगंज थाना क्षेत्र के ब्यावर रोड स्थित दौराई रेलवे स्टेशन के पास बने अंडरपास में रविवार सुबह करीब नौ बजे दौराई गांव के पांच बच्चे अंडरपास में जमा हुए बरसाती पानी में नहाने के लिए गए थे। इन बच्चों में प्रिंस उर्फ मित्रेश और रुद्र भी शामिल थे, जो अपनी नानी के घर छुट्टियां मनाने आए हुए थे। नहाते समय अचानक प्रिंस और रुद्र गहरे पानी में चले गए और वहां उगी झाड़ियों में फंस गए। बाहर बैठे तीन अन्य बच्चे घबरा गए और तुरंत शोर मचाकर आसपास के लोगों और परिजनों को सूचना दी।



अंडरपास में भरा पानी, जहां बच्चों की डूबने से मौत हो गई। (इनसेट में मृत बच्चों के फाइल फोटो)

घटना की खबर मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों ने पानी में डूबे बच्चों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक दोनों

की सांसे थम चुकी थी। पानी से बाहर निकालकर दोनों बच्चों को जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित

कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। मृतक बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। दोनों बच्चे एक ही

■ नहाते समय अचानक दोनों गहरे पानी में चले गए और झाड़ियों में फंस गए

परिवार के रिश्तेदार थे और गर्मी की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आए थे। ग्रामीणों का कहना है कि जहां हादसा हुआ, वह जगह पहले गांव के लोगों के लिए आम रास्ता थी, लेकिन डीएफसीसी कॉरिडोर निर्माण के बाद वहां अंडरपास बना दिया गया, जिसमें हर साल बरसात का पानी भर जाता है। पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण यह जगह हादसों का कारण बनती जा रही है। रामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अंडरपास में जल भराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं दोबारा न हों।

सड़क हादसे में किशोर की मौत

उदयपुर, (निस्)। गोनुन्दा हाइवे पर सड़क पार करते समय डंपर ने किशोर को चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोनुन्दा थाना क्षेत्र में हाइवे पर डंपर ने सड़क पार करते कुण्डाल कठार निवासी कालुलाल (15) पुत्र नारू गमेती को चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई। कालू सात-आठ दिन पूर्व अपने मामा गोनुन्दा निवासी भैरुलाल के यहां मेहमान आया था एवं रविवार दोपहर में वह मामा के साथ बाजार जाने के लिए सड़क पार कर रहा था। इस दौरान हाइवे पेटील पंप पर डीजल भरवाने के बाद डंपर आ रहा था, जिसने आगे जा रहे कालू को चपेट में ले लिया था।

लोक परिवहन बस पलटी , 20 से अधिक यात्री घायल

नोखा, (निस्)। नोखा से नागौर की ओर जा रही एक लोक परिवहन की बस शनिवार शाम को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा चरकड़ा गांव के पास भट्टड़ केबल के आगे हुआ, जहां बस अचानक बेकाबू होकर पलट गई। इस दुर्घटना में बस में सवार 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। हालांकि, किसी की जान को फिलहाल खतरे में नहीं बताया गया है। बताया जा रहा है कि बस बीकानेर से नोखा होते हुए जोधपुर जा रही थी। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। घायलों को एम्बुलेंस और निजी वाहनों की मदद से नोखा के जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल

- बस बीकानेर से नोखा होते हुए जोधपुर जा रही थी, चरकड़ा गांव के पास भट्टड़ केबल के आगे हुआ हादसा
- गंभीर घायल 8 यात्रियों को बीकानेर रेफर किया, 12 यात्रियों को छुट्टी दी

परिसर में चीख-पुकार मच गई। हादसे में कई महिलाएं और बच्चे लहलुहान हो

गए। घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी अमित स्वामी पुलिस जाबो के साथ मौके पर पहुंचे। समाजसेवी श्याम भट्टड़ भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। मोटर मार्केट क्षेत्र के मांगीलाल बिशोई समेत कई स्थानीय लोगों ने अपने निजी वाहनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। नर्सिंग ऑफिसर देवकिशन बिशोई के नेतृत्व में चिकित्सा टीम ने घायलों का तुरंत उपचार शुरू किया। गंभीर रूप से घायल 8 यात्रियों को बीकानेर रेफर किया गया है, जबकि 12 यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। राहत कार्य में मांगीलाल, लीलाधर और मंगनाराम केडली ने अहम भूमिका निभाई।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निस्)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित रेलवे ट्रेक पर ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार का प्रताप कॉलोनी कालका माता रोड निवासी नारायणल माली (51) पुत्र मंगनलाल माली ने शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र कॉटन मिल रेलवे ट्रेक पर उदयपुर से जयपुर जाने वाली ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। जीआरपी की सूचना पर प्रतापनगर थाना से हेड कॉन्स्टेबल नरेन्द्र कुमार ने मौके पर पहुंच कर मृतक को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है, जिनके आने पर सोमवार को पोस्टमार्टम होगा। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

रेजिडेंट डॉक्टर की जयपुर के एसएमएस अस्पताल में मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर मथुरादास माथुर अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर की जयपुर के एसएमएस अस्पताल में मौत हो गई। डॉक्टर ने शुक्रवार (13 जून) को जहर खा लिया था। गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया था, जहां शनिवार रात उनकी मौत हो गई। डॉक्टर ने मौत से पहले एक वीडियो में कहा था कि फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी थीसिस को लेकर परेशान कर रहे हैं, जिसके चलते मैंने ये कदम उठाया है। मथुरादास माथुर कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी राजकुमार राठौड़ ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर पहले से मानसिक रूप से परेशान थे और उनका इलाज चल रहा था। मामले की जांच की जा रही है।

- जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर ने शुक्रवार को जहर खा लिया था
- रेजिडेंट डॉक्टर राकेश विश्‍नोई ने वायरल वीडियो में फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. राजकुमार राठौड़ पर गंभीर आरोप लगाए थे

जोधपुर के शास्त्रीनगर थानाधिकारी जुल्फिकार अली ने बताया कि मथुरादास माथुर अस्पताल के फैमिली पीजी हॉस्टल में रहने वाले डॉ. राकेश विश्‍नोई ने 13 जून को जहर की तीन गोलियां खा ली थीं। गंभीर हालत में पहले उन्हें मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर जयपुर के एसएमएस अस्पताल में रेफर किया गया, जहां 14 जून की रात उनकी मौत हो गई। डॉ. राकेश विश्‍नोई ने वायरल वीडियो में फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. राजकुमार राठौड़ पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि थीसिस सबमिशन को लेकर एचओडी उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे, जिसके कारण उन्होंने यह कदम उठाया।

गेहूं का कट्टा चोरी होने पर प्रधान ने दो भाइयों को पीटा

टोंक, (निस्)। निवाई थाना क्षेत्र में स्थित प्रधान रामावतार लांगड़ी के फार्म हाउस से गेहूं का कट्टा चोरी करने के आरोप में दो चचेरे भाइयों को बुरी तरह पीटने का मामला सामने आया है। मामले में प्रधान ने चोरी का आरोप



वायरल वीडियो में प्रधान पीड़ितों के पेट पर लात रखकर धमकाते हुए दिखाई दे रहा है।

करता था, जो 15 दिन पहले फार्म हाउस पर अपने मामा के लड़के राजू पुत्र रामदेव निवासी ग्राम आकोड़िया थाना घाड़ के साथ गया था, जो वहां से एक गेहूं का कट्टा अपना बताते हुए पैदल ही सिर पर रखकर घर ला रहा था। इसी बीच रास्ते में प्रधान आ गया और उसने दोनों को कट्टा ले जाते हुए देख लिया। वह दोनों को अपने फॉर्म हाउस पर ले गया और प्लास्टिक के पाइप से दोनों चचेरे भाइयों की बेरहमी से पिटाई की, इसके बाद दोनों को भगा दिया। घटना का वीडियो शुक्रवार

को सामने आया। घटना को गम्भीरता से लेते हुए थाना प्रभारी रामजीलाल बैरवा ने निवाई प्रधान रामावतार लांगड़ी के खिलाफ मारपीट करने के मामले में प्रकरण दर्ज अनुसंधान जारी है।

इस मामले में निवाई प्रधान रामावतार लांगड़ी का कहना है कि ये लोग मेरे फार्म हाउस से गेहूं का कट्टा चुराकर ले जा रहे थे फिर उन्हें रास्ते से वापस फार्म हाउस ले गया और थोड़ा डांटा था, मारपीट जैसी बड़ी बात नहीं है।

लव मैरिज करना युवक को महंगा पड़ा, ससुराल वालों ने हत्या की

नागौर के रातंगा गांव निवासी सहदेव राम का शव खेत में पड़ा मिला, शरीर पर चोट के गंभीर निशान मिले

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग के नागौर जिले में युवक को लव मैरिज की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। ससुराल वालों की नाराजगी, समाज की मान-मर्यादा और पारिवारिक रंजिश ने मिलकर ऑन किलिंग की वरदात अंजाम दे डाली। नागौर के रातंगा गांव निवासी सहदेव राम का शव शनिवार को खेत में पड़ा मिला, उसके शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले, उसकी पीट-पीटकर हत्या की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया और एफएएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य उठाए। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

परीक्षा देने अजमेर आया था :- मामला शुक्रवार को शुरू हुआ, जब सहदेव नर्सिंग भर्ती परीक्षा देने अजमेर आया था। उसके साथ उसका दोस्त हरेन्द्र भी था। परीक्षा के बाद दोनों घर लौटने के लिए अजमेर रोडवेज बस स्टैंड पर पहुंचे। इसी दौरान सहदेव की

- सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और एफएएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य उठाए

बड़ी साली ललिताल और सादू वहां पहुंचे और बातचीत के बहाने उसे बुलाया। हरेन्द्र के अनुसार सहदेव को किसी अनहोनी का अंदेश था, इसी वजह से उसने दोस्त को वहां से जाने को कहा। सहदेव बस स्टैंड से बाहर निकला और फिर वापस नहीं लौटा। पिता ने पुलिस में शिकायत दी थी, जान का खतरा बताया था :- सहदेव के पिता रामदेव ने शनिवार को अजमेर सिविल लाइन थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने शिकायत में ससुराल पक्ष से बेटे की जान को खतरा बताया था। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू

की। उसी शाम नागौर के जायल क्षेत्र के तेजासर गांव के खेत में एक युवक का खून से लथपथ शव मिला। पुलिस ने जब फोटो दिखाया तो रामदेव ने अपने बेटे सहदेव के रूप में शव की पहचान की।

2024 में लव मैरिज की थी :- पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि सहदेव ने नवंबर 2024 में करिश्मा नामक युवती से कोर्ट मैरिज की थी, जो पहले से ही शादीशुदा थी। इसी शादी के चलते ससुराल पक्ष नाराज था। शादी के बाद सहदेव ने पुलिस सुरक्षा की मांग भी की थी, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। फिलहाल पुलिस ने चार रिश्तेदारों के खिलाफ अपहरण और हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा कि हत्या किस तरह से की गई। मामले में नागौर पुलिस और एफएसएल टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की है।

सादुलपुर, (निस्)। हरियाणा पुलिस के साथ मारपीट करने, दस वर्ष से फरार जिले का टॉप अपराधी और 15 हजार रुपए का इनामी फरार आरोपी को एजीटीएफ पुलिस चूरू ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पर सादुलपुर, सिद्धमुख, बहल दादरी, परबतसर, नागौर शाहपुरा जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में 13 मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू की ओर से आरोपी पर दस हजार एवं पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण की ओर से आरोपी पर पांच हजार का इनाम सहित 15 हजार का इनाम घोषित था।

राजगढ़ थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि स्थानीय पुलिस से उच्च अधिकारियों के सुपरविजन में तथा जिला पुलिस अधीक्षक चूरू की ओर से चलाए गए अपराधियों को पकड़ो अभियान अंतर्गत एजीटीएफ पुलिस टीम ने कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि पंद्रह हजार का इनामी फरार आरोपी स्थाई वारंटी व जिला चूरू के टॉप 10 अपराधियों में शामिल सुनील कुमार पुत्र ओमप्रकाश जाट निवासी ढाणी रथोपुरा पुलिस थाना राजगढ़ जिला



एजीटीएफ टीम चूरू ने 15 हजार के इनामी आरोपी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया।

चूरू को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया वर्ष 2009 में हरियाणा के दादरी सदर क्षेत्र में पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपी व उसके परिजनों द्वारा पुलिस पर हमला किया गया था तथा आरोपी पर राजकार्य में बाधा सहित अनेक धाराओं में मामला दर्ज हुआ था।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया आरोपी गिरफ्तारी से

बचने के लिए गत 10 वर्षों से लगातार फरार रहकर और गंगानागर क्षेत्र में पहचान छुपाकर खेती के कार्य में लगा हुआ था। साथ ही सिद्धमुख थाना अंतर्गत भी स्थाई वारंटी घोषित था। उन्होंने बताया कि तकनीकी और खूफिया सूचना के आधार पर एजीटीएफ चूरू की टीम ने कार्यवाही करते हुए आरोपी की स्टीक लोकेशन ट्रेस कर गिरफ्तार किया।

अवैध खनन मामले में चार खनन माफिया गिरफ्तार, जेसीबी, दो डंपर और ट्रैक्टर जब्त

भीलवाड़ा, (निस्)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के मेजा बांध पेटे में अवैध बजरी खनन पर शनिवार रात को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो पोकलेन, एक जेसीबी, दो डंपर और एक ट्रैक्टर जब्त कर चार खनन माफिया को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपाधीक्षक मेघा गोयल ने बताया कि समेलिया गांव स्थित जामाजी देवस्थान के पास मेजा बांध के पेटे में लंबे समय से अवैध बजरी खनन की सूचनायें मिल रही थी। इस पर मांडल डिप्टी मेगा गोयल के नेतृत्व में मांडल, बागौर और पुर थाने के जाबो के साथ ही जिला विशेष टीम के पुलिसकर्मियों ने मेजा बांध में दबिश दी। बताया गया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो 50 से 60 ट्रैक्टर, डंपर बजरी के अवैध खनन में जुटे हुए थे। पुलिस टीमों को देखकर सभी भागने में सफल हो गए। इस कारण कार्रवाई की पूरी सफलता



मेजा बांध पेटे में अवैध बजरी खनन पर पुलिस ने कार्रवाई की।

नहीं मिल पाई, लेकिन टीम में बड़ी मात्रा में खनन संसाधनों को जब्त किया।

फिलहाल जब्त किए के वाहन को मांडल थाना परिसर लाया गया। इस

दौरान पुलिस ने मौके से बावलास निवासी राजू सरगरा, गाढरी खेड़ा के

- मेजा बांध पेटे में पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो 50 से 60 ट्रैक्टर, डंपर बजरी के अवैध खनन में जुटे हुए थे

भंवर गाढरी, अमरगढ़ के कमलेश खटीको कोचरिया के दुर्गालाल गुर्जर को हिरासत में लिया है। पुलिस द्वारा इस अवैध बजरी खनन से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है, जिनके खिलाफ जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। लोगों का कहना है कि मेजा बांध क्षेत्र में अवैध खनन से प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंच रहे हैं। स्थानीय विधायक उदयलाल भड़ाना भी अवैध बजरी खनन करने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई करने को लेकर एसपी से चर्चा कर चुके हैं।

पांच हजार का इनामी गिरफ्तार

पावटा, (निस्)। अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त तस्करी के मामले में पुलिस ने पांच हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले अपराधिक तत्वों व वांछित अपराधियों की धरपकड़ के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एसपी राजन दुष्यंत द्वारा ऐसे तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बैभव शर्मा के निर्देशन, वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में टीम का गठन कर पुलिस थाना प्रागपुरा में एनडीपीएस एक्ट में वांछित अभियुक्त कमलेश पुत्र नारायण निवासी नंगावली थाना मंगलवाड़ जिला चित्तौड़गढ़ हर बार पुलिस को चकमा देकर बचता रहा, जिसकी गिरफ्तारी पर जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड राजन दुष्यंत द्वारा पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था जो थाना



अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

मंगलवाड़ जिला चित्तौड़गढ़ में भी अपने साथी के साथ साढ़े पांच किलो अवैध अफीम परिवहन करते पकड़ा गया था, जिसको प्रागपुरा थाने के प्रकरण में न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश कोटपुतली के

न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट जारी करवाकर जिला कारागृह चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त कमलेश से अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त के बारे में अनुसंधान किया जाएगा।

‘गांवों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार प्रयासरत’

जयपुर/सुमेरपुर। पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने पाली जिले के प्रवास के दौरान सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन अनेक गांवों में विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। जिले में विकास पुरुष के रूप में प्रसिद्ध जोराराम कुमावत ने मोरडू में जल जीवन मिशन के तहत 50 हजार लीटर भराव क्षमता की पानी की टंकी के निर्माण कार्य की शुरुआत भूमि पूजन के साथ करवाई। इसी तरह उन्होंने सुमेरपुर से तख्तागढ़ रोड से कबीर गोशाला तक बनी अढाई किमी. लंबी सड़क का लोकार्पण किया गया। इस सड़क निर्माण पर करीब 60 लाख रुपए की लागत आई है। इससे पहले ग्रामीणों ने मंत्री जोराराम कुमावत का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर मंत्री कुमावत ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है, लेकिन अभी भी कई गांव ऐसे हैं, जहां लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। सड़क, चिकित्सा, शिक्षा, पानी आदि सुविधाओं से लोगों को वंचित होना पड़ रहा है। हर ग्रामवासी को ये सुविधाएं मिलें इसके लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार प्रयासरत है। कुमावत ने कहा कि गांव की हर मूलभूत



केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने से ही ग्रामीण विकास को अवधारणा को पूरा किया जा सकता है। सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के हरेक गांव को बेहतर सड़क, नियमित बिजली और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हो इसके लिए हम लगातार कार्यरत हैं। इसी के तहत लगभग हर गांव में विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट स्वीकृत किया है। इस बजट से कार्य समय पर पूरे हों इसके लिए प्रभावी मोनिटरिंग की जा रही है। सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नोबी में भी स्थानीय

विधायक व केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने विभिन्न कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने विधायक कोष से राशि स्वीकृत करके मेघवालों व हीरागों के बास में सामुदायिक चुबुतरे को ऊपर उठाकर उस पर छत का निर्माण कार्य करवाया। नोबी की नई बस्ती के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में विधायक कोष से स्वीकृत राशि से प्रार्थना स्थल पर बने टीन शेड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। साथ ही छठे राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत पंचायत समिति मद में भारत निर्माण

■ मंत्री कुमावत ने किया अनेक कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया

राजीव गांधी सेवा केंद्र में रिकार्ड रूम के निर्माण कार्य शुरू किया गया। इसके अलावा विधायक कोष से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य, 15 वें वित्त आयोग की योजना के अंतर्गत स्वीकृत रूपनगर में गणेशदास जी मंदिर से करदाराम मीणा के घर तक सीसी ब्लॉक मय नाली निर्माण कार्य शुरू करवाया। इन कार्यक्रमों में भाजपा के जिला मंत्री नूपम सिंह, सुमेरपुर पंचायत समिति की प्रधान उर्मिला कंवर, मंडल अध्यक्ष हणवंत सिंह, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि पुष्पेंद्र सिंह, बांकली के पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवराज सिंह, पंचायत समिति सदस्य पायल दवे, नोबी के उप सरपंच रमेश त्रिवेदी, नोबी की सरपंच चंदा देवी, पूर्व सरपंच मांगीलाल मालवीय, भाजपा कार्यकर्ता प्रवीण कुमार, भवानीशंकर, एसडीएम कालूराम, डीवाईएसपी जितेंद्र सिंह, प्रशासक सोहन कंवर, रूपाराम देवासी, निर्मला मेवाड़ा, प्रशासक प्रतिनिधि गोविंद सिंह, अर्जुन सिंह, देवाराम मीणा, उप सरपंच कोलीवाड़ा अर्जुन सुथार, फुटरमल सेन, मनोहर सिंह मौजूद रहे।

बाइक सवार बदमाश छीन ले गया मोबाइल

जयपुर। एयरपोर्ट थाना इलाके में बाइक सवार दो बदमाश एक कर्मचारी से मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार दरभंगा सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि वह जवाहर सर्किल पर स्थित एक अस्पताल में कार्यरत है। वह अस्पताल के बाहर आई थी। बाइक सवार दो बदमाश आए और उसके हाथ पर झपट्टा मार कर मोबाइल छीनकर ले गए।

राजस्थान विश्वविद्यालय को मिली ‘एनएएसीए प्लस’ ग्रेड

जयपुर। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, नैपारो द्वारा राज्य की सबसे पुरानी, वृहद एवं प्रतिष्ठित उच्च शैक्षणिक संस्था “राजस्थान विश्वविद्यालय” को ‘एनएएसीए प्लस’ ग्रेड से नवाजा गया है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा तीसरे चक्र की प्रक्रिया इसी माह 5 जून को सम्पन्न हुई है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से राजस्थान विश्वविद्यालय देश के उत्कृष्टता प्रमाणित शीर्ष विश्वविद्यालयों में सम्मिलित हो गया है। यह क्षण विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं/गुणवत्ताओं और गौरव को मान्यता प्रदान करने एवं इसकी प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करने की दृष्टि से दूरगामी साबित होगा। पूर्व में नैक द्वारा मूल्यांकन प्रक्रिया वर्ष 2016 में की गई थी। गत चार वर्षों से राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, भारत सरकार से राजस्थान विश्वविद्यालय के मूल्यांकन की प्रक्रिया लाम्बित होने के कारण विश्वविद्यालय को केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्राप्त होने वाले अनुदान से वंचित होना पड़

■ राज्य की सबसे पुरानी, वृहद एवं प्रतिष्ठित उच्च शैक्षणिक संस्था “राजस्थान विश्वविद्यालय” को ‘एनएएसीए प्लस’ ग्रेड से नवाजा

रहा था, इस कारण यहाँ के विद्यार्थियों को नवीन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। नैक से उत्कृष्ट मूल्यांकन ग्रेड प्राप्ति के उपरान्त राजस्थान विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता व श्रेष्ठता के परिचय के साथ अब केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश वित्तीय अनुदान प्राप्ति हेतु पात्र हो गया है। इससे विद्यार्थियों के हित में आधारभूत संसाधनों के परिवर्धन सहित नवीन योजनाओं को लागू करना सुगम हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा ने अपने पदभार ग्रहण के साथ ही पूर्ण प्रतिबद्धता से इस दिशा में प्रयास प्रारंभ कर दिये थे।

विगत डेढ़ वर्ष से उनके निर्देशन में शिक्षकों की टीम पूर्ण उत्साह के साथ इस कार्य में जुटी हुई थी। विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. कटेजा ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को सभी शिक्षकों एवं स्टाफ के लगातार किये गये प्रयासों को समर्पित किया। अपने संदेश में उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि सभी शिक्षक एवं कर्मचारी निरन्तर सृजनशैलता की राह पर अग्रसर होते हुए विश्वविद्यालय को विश्व पटल पर उत्कृष्टता की ऊँचाइयों पर शिखरस्थ करने में सफल होंगे।

प्रो. कटेजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को प्राथमिकता से लागू करते हुए प्रवेश के साथ ही विद्यार्थियों का में पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय में विद्यार्थी हित में कई मूल्य संवर्द्धित एवं कौशल संवर्द्धित पाठ्यक्रम लागू किये गये हैं। भविष्य में उद्योगों के परस्पर सहयोग के आधार पर कार्य करने के उद्देश्य से नये रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम आरम्भ करने की योजना है।

डॉ भारद्वाज ने पेंशनरों को सफल जीवन का मंत्र दिया

जयपुर। राजस्थान पेंशनर समाज, उप शाखा मालवीय नगर की आर सी कटारा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रेरणास्पद शक्तियत और राष्ट्रीय स्तर के मोटिवेशनल गुरु डॉ पी एम भारद्वाज ने आल इज़ गॉसिडल के सिद्धांत की व्याख्या करते हुए कहा, यदि हम जीवन में सफल होना चाहते हैं, तो हमें समय का सही प्रबंधन, कड़ी मेहनत, और समर्पण की आवश्यकता है। इन गुणों के बिना किसी भी प्रकार की सफलता संभव नहीं है। एस एन विजयवर्गीय ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए पेंशनरों को इसके तकनीकी महत्त्व से अवगत कराया। बैठक में शाखा सचिव पी डी ओरोड़ा ने आगामी 20 जुलाई को राखी समारोह की जानकारी देते हुए कार्यक्रमी सदस्यों को कार्यक्रम सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियाँ सौंपी। उप सचिव बाबुलाल गुप्ता ने आगामी मीटिंग 12 जुलाई को आयोजित करने की जानकारी दी। इस अवसर पर समृति शेष ज्ञान प्रकाश पांडेय, सुनील चंद डागा और प्रेमचंद काला की पत्नी मनसुख देवी सहित विमान दुर्घटना में मृत लोगों को दोमिनट का मौन ख़क्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

अधिवक्ता परिषद जयपुर प्रांत की प्रांत कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

जयपुर । अधिवक्ता परिषद राजस्थान जयपुर प्रांत की प्रांत कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को स्वस्तिक भवन, अम्बाबाड़ी में सम्पन्न हुई। बैठक तीन सत्रों में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विभिन्न विषयों पर चर्चा और आगामी कार्ययोजनाओं पर निर्णय लिए गए। बैठक के प्रथम सत्र का संचालन

■ बैठक के प्रथम सत्र का संचालन प्रांत महामंत्री जितेंद्र सिंह राठौड़ ने किया

प्रांत महामंत्री जितेंद्र सिंह राठौड़ ने किया। इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता ने परिषद की आय-व्यय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सत्र के अंत में प्रांत अध्यक्ष नीरज बत्रा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजस्थान क्षेत्र के सह क्षेत्र कार्यवाह गेंदा लाल और अखिल



प्रांत कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक स्वस्तिक भवन, अम्बाबाड़ी में सम्पन्न हुई।

भारतीय अधिवक्ता परिषद राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री कमल परसवाल ने अपने विचार रखे।

उन्होंने परिषद के सदस्यों को संगठन की भूमिका और समाज में न्याय की भारतीय अवधारणा के महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय सत्र में चुनाव अधिकारी भागीरथ (राष्ट्रीय

कार्यकारिणी सदस्य, स्वदेशी जागरण मंच) की देखरेख में प्रांत अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष नीरज बत्रा ने प्यारेलाल के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन प्रांत मंत्री अशोक कासलीवाल एवं विनोद शर्मा ने किया। सर्वसम्मति से प्यारेलाल को प्रांत अध्यक्ष चुना गया।

अध्यक्ष बनने के बाद प्यारेलाल ने अभिषेक सिंह को महामंत्री नियुक्त करने की घोषणा की। साथ ही, गजेंद्र शर्मा को प्रांत कार्यालय मंत्री और अभिषेक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष व प्रभा अग्रवाल और सुतीक्ष्ण भारद्वाज को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

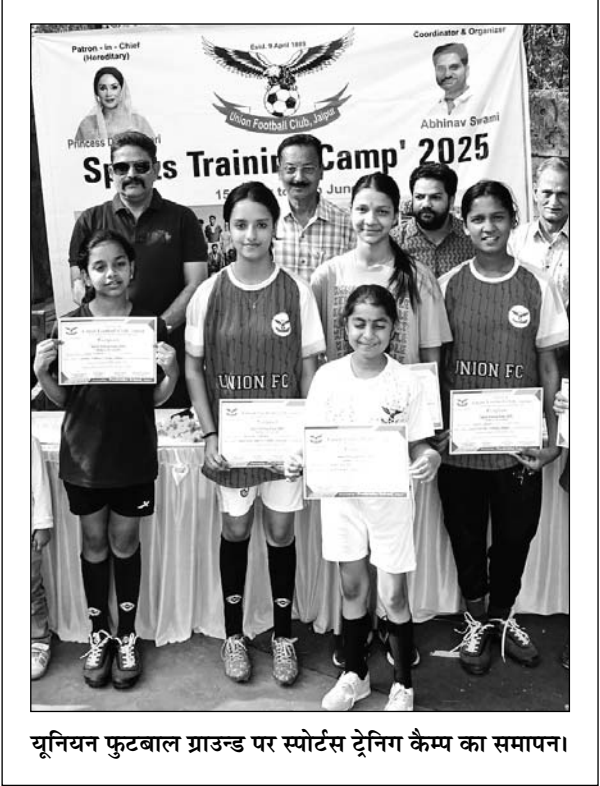
बैठक में जा रहे बाईक सवार दो सगे भाई ट्रेलर से घायल

मनोहरपुर। थाना क्षेत्र के मनोहरपुर दोसा पुलिस पर शनिवार दोपहर को बैठक में जा रहे बाईक सवार दो सगे भाई को ट्रेलर के साइड दबाने से घायल हो गए हैं। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि चतरपुरा गोविंदपुरा निवासी तेज सिंह पुत्र सुगम सिंह व करण सिंह पुत्र सुगम सिंह दोनों ही गठवाड़ी में एक बैठक में जा रहे थे कि दोसा पुलिस पर एक ट्रेलर ने साइड दबा दी जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों भाइयों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें से तेज सिंह पुत्र सुगम सिंह उम्र 42 वर्ष का हाथ फ्रैक्चर हो गया है और करण सिंह पुत्र सुगम सिंह घायल हो गया।

इस दौरान सूचना पाकर मौके पर थाना पुलिस के हेड कॉन्टेबल धर्मपाल मय जाप्ता के पहुंचे। और उन्हें तुरंत एनएचएआई एंबुलेंस से निम्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस दौरान हादसे

■ चतरपुरा गोविंदपुरा निवासी तेज सिंह पुत्र सुगम सिंह व करण सिंह पुत्र सुगम सिंह दोनों ही गठवाड़ी में एक बैठक में जा रहे थे कि एक ट्रेलर ने साइड दबा दी जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए

की सूचना मिलते ही मनोहरपुर टोल प्लाजा एनएचएआई एंबुलेंस सेवा तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। एनएचएआई एंबुलेंस चालक राम गुर्जर और पीएमपी रामस्वरूप ने घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



यूनिजन फुटबाल ग्राउंड पर स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैम्प का समापन।

पार्सल भेजने का नाम लेकर ठगे 1 लाख 87 हजार

जयपुर। ऑनलाइन कीमत सामान का पार्सल भेजने के बहाने झांसे में लेकर साइबर ठगों ने एक युवती से 1 लाख 87 हजार रुपए ठग लिए। पीडिता के दादा ने चाकसू थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गणेशपुरा चाकसू निवासी गोपाल लाल ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी पोती के पास राज के युवक का फोन आया। युवक ने कहा कि आपके नाम का पार्सल है और उसके कीमती सामान रखा है। पार्सल के लिए आपको को शुल्क चुकाना होगा। इसके बाद आरोपी ने उसकी पोती को एक क्यूआर कोड भेजा और उससे ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करवा लिए। आरोपी ने अलग-अलग शुल्क के नाम से उसकी पोती से कई बार में क्यूआर कोड भेज कर अलग-अलग खातों में 1 लाख 87 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। ठगी का अहसास होने पर पीडिता ने सारी आपबीती परिजनों को बताई। इस पर मामला दर्ज करवाया।

रोल साहबसर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

जयपुर। क्षत्रीय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह जी रोल साहबसर के निधन पर मकराना तहसील के गांव जाविली में सरदार समिति अतिथि भवन प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें सर्व समाज के लोगों द्वारा भगवान सिंह जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए स्वयं सेवक भवानी सिंह जी ने प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आपका जीवन बड़े समाज के लिए समर्पित रहा है अतः उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को समाज सेवा करना चाहिये। भगवत सिंह सिंघाना संघ के स्थापना से लेकर आज तक के समाजहित में किये गये काम एवं जीवन निमाण को शिक्षा के बारे में जानकारी देते हुए भगवान सिंह के शब्द : ‘जीवो और जीने दो’ को विवेचना की गई जिससे एक साधारण से महामानव कैसे बना जा सकता है। मनोहर सिंह की पूर्व सरपंच



सर्व समाज के लोगों द्वारा भगवान सिंह जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

भिषांदा के कहा कि समाज को विकसित करने के लिये बालक एवं बालिकाओं की शिक्षा पर अत्यधिक जोर देना चाहिए ताकि पीढ़ी संस्कार दान एवं शिक्षित हो सकें विनोद सिंह जो पूर्व प्र० अ० द्वारा रोल साहबसर की कार्यशैली पर जानकारी दी एवं आभार व्यक्त दिया। श्रद्धांजलि सभा में बुटेदार ईश्वर किमाण्डे-धन सिंह जी भगवती सिंह

को खेर हामी हरनावा दिही जानती वरपंच मैने सिंह व नाम जो भामु, दोलत श्रम की गोदारा, घोट सिंहजी, सज्जन सिंहदी, विरेन्द्र सिंह की, महावीर सिंह की, हनुमान रामजी कुमावत दा. रघुवीर सिंह जी बामर सिंह बी. नारायण सिंह जी आदि गणमान्य नागरिकों एवं भारी संकांमें महिलाओं ने भी पुष्प अर्पण किये।

सांसद मंजू शर्मा ने जनप्रतिनिधियों के साथ रामगढ़ बांध में किया श्रमदान

जयपुर। वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत रविवार को सांसद मंजू शर्मा के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने रामगढ़ बांध पर श्रमदान किया। इस दौरान सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि रामगढ़ बांध जल्द ही लबालब होगा। हमारी केन्द्र और राज्य दोनों सरकारों का पूरा ध्यान इस पर केन्द्रित है। जयपुर का पिकनिक स्पॉट रहा यह बांध जल्द ही अपनी पुरानी अवस्था में आएगा और सब लोग यहां फिर से पिकनिक मनाने आयेगे।

सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि रामगढ़ बांध से जयपुर के लोगों से लगाव है वे श्रमदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने ईसरदा बांध से रामगढ़ बांध में पानी लाने के लिए रामजल सेतु परियोजना बनाई है। जिसके पूरा होने पर यह बांध फिर से पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा।

सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि रामगढ़ बांध में श्रमदान किया गया था। इस अवसर पर समृति शेष ज्ञान प्रकाश पांडेय, सुनील चंद डागा और प्रेमचंद काला की पत्नी मनसुख देवी सहित विमान दुर्घटना में मृत लोगों को दोमिनट का मौन ख़क्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

■ ‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार रामगढ़ बांध में पानी लाने के लिए प्रतिबद्ध’

■ सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि रामगढ़ बांध से जयपुर के लोगों से लगाव है वे श्रमदान कर रहे हैं. सरकार ने ईसरदा बांध से रामगढ़ बांध में पानी लाने के लिए रामजल सेतु परियोजना बनाई है। जिसके पूरा होने पर यह बांध फिर से पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा

संरक्षण जनअभियान चल रहा है। इसके तहत जनप्रतिनिधियों के साथ भाजपा कार्यकर्ता आमजन के साथ इस पुण्य कार्य में सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अभियान की शुरुआत गंगदशमी को की थी। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और आमजन ने रामगढ़ बांध में श्रमदान किया गया था।

सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि उन्होंने लोकसभा में अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान इसी साल 19 मार्च और 21 मई को रामगढ़ बांध का मुद्दा उठाया था। इसके बाद 22 मई को केन्द्रीय

जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल के साथ चर्चा करके रामगढ़ को भरने की पुरजोर मांग की थी।

सांसद मंजू शर्मा के साथ मेयर सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्नावट, भाजपा नेता रवि नैयर, चंद्रमोहन बटवाडा, भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल के साथ बड़ी संख्या में पार्षद , भाजपा नेता और पदाधिकारी रामगढ़ बांध पहुंचे। वहां विधायक महेन्द्रपाल मीणा ने उनका स्वागत किया और उनके साथ श्रमदान किया।

गौ ध्वज पूजन कार्यक्रम आयोजित : गौमाता के संरक्षण में कार्य करने का संकल्प लिया

जयपुर । वैशाली नगर, जयपुर में गौ ध्वज पूजन एवं परिक्रमा कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन गौ ध्वज स्थापना की प्रथम वर्षगांठ की पूर्व तैयारियों के तहत किया गया, जिसकी स्थापना 18 अक्टूबर 2024 को ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी

■ यह आयोजन गौ ध्वज स्थापना की प्रथम वर्षगांठ की पूर्व तैयारियों के तहत किया गया

महाराज द्वारा की गई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 12 बजे शंकराचार्य जी के प्रतिनिधि एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी योगीराज शैलेन्द्र जी महाराज की पावन उपस्थिति में हुआ। उन्होंने विधिवत रूप से गौ ध्वज का पूजन मंत्री और अभिषेक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष व प्रभा अग्रवाल और सुतीक्ष्ण भारद्वाज को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।



गौ ध्वज पूजन एवं परिक्रमा कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

एवं जनसंपर्क कार्य की औपचारिक शुरुआत भी की गई।

कार्यक्रम में भारतीय गौ क्रांति मंच के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद कोठारी, शहर अध्यक्ष, संत प्रकाश दास जी महाराज, गौ सांसद देवकीनंदन पुरोहित, अन्य गौ संसद प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में गौभक्त एवं सेवकगण उपस्थित रहे। सभी ने गौमाता के संरक्षण, संवर्धन और उनके राष्ट्रमाता के सम्मान की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया।

”देश की जननी, हमारी संस्कृति की आधारशिला गौमाता को अब राष्ट्रमाता घोषित किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने गौमाता को राज्य माता का दर्जा देकर आदर्श प्रस्तुत किया है। सभी राज्य सरकारें इस दिशा में पहल करें और केन्द्र सरकार से अनुरोध करें कि गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित किया जाए।”

उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष शंकराचार्य जी द्वारा पूरे भारतवर्ष में

गौ ध्वज प्रतिष्ठा यात्रा के माध्यम से सभी प्रदेशों में गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर अभियान चलाया गया था। इस यात्रा के दौरान हर राज्य की राजधानी में गौ ध्वज स्थापित किए गए। उसी का परिणाम रहा कि महाराष्ट्र में गौमाता को राज्य माता घोषित कर विशेष कानून बनाया गया, जिससे प्रदेश को अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त हुई।

कार्यक्रम के समापन पर सभी गौ सेवकों ने आगामी वर्षगांठ समारोह को ऐतिहासिक स्वरूप देने हेतु तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प लिया।

भारतीय गौ क्रांति मंच के प्रदेश अध्यक्ष, वैशाली नगर, जयपुर में रविवार को गौ ध्वज पूजन एवं परिक्रमा कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन गौ ध्वज स्थापना की प्रथम वर्षगांठ की पूर्व तैयारियों के तहत किया गया, जिसकी स्थापना 18 अक्टूबर 2024 को ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज द्वारा की गई थी।

व्यापारी से सात लाख रुपए की लूट का फरार आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

जयपुर मंडी में जीरा बेचकर लौट रहे व्यापारी से सात लाख रुपए की लूट हुई थी

अजमेर, (कासं)। जिले के पीसांगन थाना क्षेत्र में दस माह पूर्व हुई लूट के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जयपुर मंडी में जीरा बेचकर लौट रहे व्यापारी से सात लाख रुपए की लूट में फरार चल रहे बांछित आरोपी इकबाल उर्फ बाला को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार कर लिया। पूर्व में मामले में चार आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। पुलिस जांच में जुटी है।

थाना प्रभारी प्रहलाद सहाय ने बताया कि 8 अगस्त 2024 को आनंदपुर कालू निवासी गोपाल सिंह ने जयपुर मंडी में सात लाख रुपए में जीरा बेचा था। जब वह गांव लौट रहा था, उसी दौरान नात्लाव से शिवपुरा करनोस के बीच उसकी पिक्अप का रास्ता एक बिना नंबर की कार ने रोका। कार में सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने पिस्तौल की नोक पर व्यापारी से सात लाख रुपए लूट लिए और फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने कारबाई करते हुए हामिद काठात, फिरोज, जाकिर हुसैन और सिकंदर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं मुख्य आरोपी इकबाल काठात उर्फ बाला निवासी



पीसांगन थाना क्षेत्र में दस माह पूर्व हुई लूट के मामले में पुलिस ने बांछित आरोपी इकबाल उर्फ बाला को गिरफ्तार किया।

नीयगढ़ थाना ब्यावर सदर पिछले दस माह से फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिला स्पेशल टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर

जयपुर में छापामारी कर इकबाल को दबोच लिया। बाद में आरोपी को थाना पीसांगन को सुपुर्द किया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर लूटी गई राशि

की बरामदगी और अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। नहर में गिरने से युवक की मौत : -उदयपुर के नाई थाना क्षेत्र

- मामले में चार आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं, पुलिस जांच में जुटी**

नादेश्वर तालाब नहर में गिरने पर घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे जोगी तालाब गोवर्धन विलास निवासी गोपाल गमेती (54) पुत्र लोगर गमेती अपने अन्य साथी देवीलाल पुत्र नोजीराम गमेती एवं नानालाल पुत्र नारू गमेती निवासी नैला के साथ नादेश्वर तालाब पर गया था, जहां नहर के समीप चेनल गेट पर पांव फिसलने से निचे गिर पड़ा, जिससे सिर पर चोट लगने से वह गंभीर घायल हो गया। इसको देख साथी उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर नाई थाना एसएसआई हरिराम ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

बीकानेर और अजमेर के सरकारी बीएड कॉलेजों से अभ्यर्थी डीपीएसई कर सकेंगे

बीकानेर, (निस्)। राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षण संस्थान बीकानेर और अजमेर से अब विद्यार्थी एनटीटी (नर्सरी टीचर ट्रेनिंग) कोर्स कर सकेंगे। इस कोर्स का नया नाम डिप्लोमा इन प्री स्कूल एजुकेशन (डीपीएसई) कर दिया गया है। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद प्रारंभिक शिक्षा निदेशक ने दोनों संस्थानों में इस नए पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए एफिलिएटिंग बांडी के रूप में एनओसी प्रदान कर दी है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। प्रत्येक संस्थान में 50-50 विद्यार्थियों को दो यूनिट की अनुमति दी गई है। यह कोर्स अब नए नाम से शुरू किया जाएगा। जानकारी के अनुसार इसे पूर्व प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य के 34 जिला शिक्षा

- एनटीटी (नर्सरी टीचर ट्रेनिंग) कोर्स का नया नाम डिप्लोमा इन प्री स्कूल एजुकेशन (डीपीएसई) किया गया है**

एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) कॉलेजों को भी इस नए पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए एफिलिएटिंग बांडी के रूप में एनओसी प्रदान कर दी थी। बीकानेर सहित प्रत्येक डाइट कॉलेज में 50-50 निर्धारित की गई है। जबकि दोनों राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षण संस्थान में दो यूनिट होने से 100-100 सीट निर्धारित की गई है। नई शिक्षा नीति में प्री-प्राइमरी कक्षाओं का प्रावधान किया गया है।

राज्य के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल और पीएम श्री स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाओं का संचालन

भी शुरू हो गया है। इन स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिए पर्याप्त संख्या में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। इन शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए सरकार ने एनटीटी पाठ्यक्रम (डीपीएसई) को शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है।

डाइट सहित दोनों सरकारी बीएड कॉलेजों को इस कोर्स को शुरू करने के लिए अब राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से मान्यता लेनी होगी। एनसीटीई की ओर से मान्यता मिलने के बाद राज्य के डाइट कॉलेजों सहित राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षण

संस्थान में नर्सरी टीचर ट्रेनिंग कोर्स शुरू किया जा सकेगा।

बीकानेर डाइट प्राचार्य ने बताया कि संस्थान स्तर पर डीपीएसई कोर्स शुरू करने की तैयारी है। एनसीटीई ने मान्यता के लिए फिलहाल वेबसाइट पर आवेदन शुरू नहीं किए हैं। ऑनलाइन आवेदन शुरू होने के बाद आगामी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (एनटीटी) कोर्स करने का मौका राजस्थान में प्रत्येक वर्ष 1900 अभ्यर्थियों को मिलेगा। प्रत्येक डाइट कॉलेज में 50 सीटों के मुताबिक 1700 अभ्यर्थियों को राज्य के 34 डाइट कॉलेज में दाखिला मिलेगा, जबकि 100-100 अभ्यर्थी राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षण संस्थान बीकानेर और अजमेर से यह कोर्स कर सकेंगे।

करंट से श्रमिक की मौत

उदयपुर, (निस्)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में निर्माण कार्य करते समय करंट लगने से श्रमिक की मौत हो गई।

- निर्माण कार्य करते समय श्रमिक को करंट लग गश् था**

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित निजी कॉलेज में निर्माण कार्य करते समय करंट लगने पर देवारी नलाफलां निवासी जगदीश (30) पुत्र नवलराम गमेती की मौत हो गई। काम करने के दौरान करंट लगने से झुलसने पर साथी श्रमिक उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। एसएसआई पर्वतसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

बीएसएफ जवान ने सहकर्मी की गोली मार हत्या की

चौमू/कालाडेरा, (निस्)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बीएसएफ के जवान ने अपने सहकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी है। जवान चौमूं उपखंड के कालाडेरा के पास स्थित खनौपुरा गांव का रहने वाला था। आरोपी की पहचान एसके मिश्रा के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जवान रतन सिंह शेखावत (38) की मौत की सूचना मिलने के बाद पानी फूल कंवर और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जवान का एक बेटा सुरेंद्र सिंह शेखावत और बेटी सोनू कंवर है। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह जवान का पार्थिव देह गांव पहुंचेगा। वहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम



संस्कार किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, आरोपी एसके मिश्रा और जवान रतन सिंह शेखावत दोनों 119 बीएन बटालियन में थे और हिंसा प्रभावित इलाके में तैनात थे। कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश पर मुर्शिदाबाद के सभी हिंसा प्रभावित इलाकों में को तैनात किया गया था।

किशनगढ़ बास नगर पालिका क्षेत्र में जोहड़ व प्राचीन खाई की हालत खस्ता

किशनगढ़ बास, (निस्)। मानसून नजदीक है, हर वर्ष जल भराव के कारण होने वाले नुकसान को लेकर दुकानदारों की चिंताएं फिर से बढ़ना प्रारम्भ हो गई है। वर्षा ऋतु से पहले नगर पालिका प्रशासन की ओर से हर वर्ष लाखों रुपए नालों की सफाई पर खर्च किए जाते हैं, परंतु इसके बाद भी जल भराव की स्थिति बनी रहने से व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से जल संरक्षण व संचयन तथा भूजल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत की है। जिला कलेक्टर सहित प्रशासनिक लवाजमा अभियान को जन अभियान बनाकर परंपरागत जल संरक्षण संरचनाओं के लिए टांके, बावड़ी, जोहड़, कुएं व तालाब इत्यादि के जीर्णोद्धार एवं साफ-सफाई कार्य कराने में लगा है, लेकिन अभियान के तहत किशनगढ़ बास नगर पालिका क्षेत्र में परंपरागत शहर के प्रमुख जोहड़ व प्राचीन खाई की सुध लेने कोई नहीं पहुंचा है जो किशनगढ़ बास की वर्षों पुरानी समस्या है।

शहर में पिछले लंबे समय से तोप सर्किल से खैरथल तिजारा अलवर और बासड़ा रोड को जाने वाली मुख्य सड़क पर वाहनों के यातायात की जाम व



किशनगढ़ बास में आबादी के बीच का जोहड़, जो गंदगी से लबालब भरा है।

सरकारी गंदे पानी निकासी के नालों के ऊपर अतिक्रमण की समस्या पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए नासूर बनी हुई है। तोप सर्किल से तिजारा अलवर खैरथल व बासड़ा रोड के मुख्य चौराहे के पास रोडवेज बस स्टैंड, प्राइवेट बसों व टैपो रिक्शा का संचालन व सड़क के दोनों ओर फ्रूट खोमचा ठेले वालों के खड़े होने से बार-बार होने वाले जाम की समस्या के समाधान के लिए करीब डेढ़ साल पहले प्रशिक्षु

आईएसएस अधिकारी धीरज कुमार के एसडीएम रहते बस स्टैंड को मोटुका चौक पर स्थानांतरण किया जाना प्रस्तावित किया गया जो आज तक नगर पालिका की फाइलों में बंद है।

ऐसे ही शहर में गंदे पानी निकासी के नालों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की फाईल नगर पालिका की अलमारी में बंद है। गंज रोड, मुख्य बाजार, बन्ना कॉलोनी, हॉस्पिटल आदि अनेक सरकारी कार्यालयों को

बारिश के दिनों में जल भराव की समस्या से जूझना पड़ता है। शहर की जल भराव की समस्या के समाधान के लिए अनेक बार प्रशासनिक एवं नगर पालिका स्तर पर अतिक्रमण चिह्नित कर अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस दिए जाते हैं।

शहर में आबादी के बीच बने जोहड़ व खाई में मुख्य बाजार गंज रोड अलवर रोड खैरथल रोड सहित आसपास की कॉलोनी का पानी

- जोहड़ व खाई की सफाई महज खानापूति और समस्या ज्यों की त्यों बनी है**

प्रतिदिन गंदे नालों से पहुंचता है। इसकी सफाई पर नगर पालिका ने करीब 2 साल पहले 40 से 45 लाख रुपए सफाई पर शहर को जल भराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए खर्च किए परंतु जोहड़ व खाई की सफाई महज खानापूति कर रुपए उठा लिए गए और समस्या ज्यों की त्यों बनी है। जोहड़ गंदगी से भरा है, आधे से अधिक भाग में लोगों ने कब्जा कर पानी को रोका हुआ है।

हालांकि जल भराव की समस्या के समाधान के लिए व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल कलैक्टर एसडीएम से शिष्टाचार मुलाकात कर समाधान की मांग कर चुके हैं। अभिभाषक संघ पूर्व अध्यक्ष अमित गौड़ पूर्व में की गई अतिक्रमण व जल भराव की समस्या को लेकर अभिभाषक संघ एवं आमजन की ओर से सरकार व प्रशासन के समक्ष की गई शिकायतों से अवगत करा चुके हैं लेकिन ध्यान कोई नहीं दे रहा है।

चोरी के शक में दो शातिर युवक गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में पुलिस की सक्रियता से चोरी की बड़ी वारदात टल गई। रविवार सुबह अस्पताल परिसर में रैकी कर रहे दो शातिर युवकों को वारदात अंजाम देने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों शातिर युवकों से पूछताछ में जुटी है।

- जेएलएन अस्पताल में चोरी की वारदात की फिराक में थे दोनों युवक**



चोरी के शक में दो संदिग्ध को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

हैड कांस्टेबल अनिल कुमार ने बताया कि रविवार को गश्त के दौरान जैसे ही पुलिस अस्पताल परिसर में पहुंची दो युवक संदिग्ध तौर पर इधर-उधर छुपने की कोशिश करने लगे। पुलिस को नजर उन पर पड़ गई तो उन्हें रोककर पूछताछ की गई। दोनों ने पहले संतोषजनक जवाब नहीं दिया, जिस पर पुलिस का संदेह और बढ़ गया। गहन

पूछताछ और जांच के बाद सामने आया कि दोनों युवक किसी गैंग से जुड़े हैं और अस्पताल परिसर में चोरी के लिए रैकी कर रहे थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ समय से जेएलएन अस्पताल परिसर में चोरी की घटनाएं बढ़ गई थीं। इसी को ध्यान में रखते हुए चौकी स्टाफ

द्वारा नियमित गश्त और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही थी। पकड़े गए युवकों से पुलिस अब पूछताछ कर रही है कि वे अकेले थे या गैंग के अन्य सदस्य भी आसपास मौजूद थे। साथ ही अस्पताल परिसर में हुई हालिया चोरी की वारदातों में इनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

पाली में दिनभर तपिश के बाद झमाझम बारिश



पाली में बरसात होने से सड़कों पर पानी बह निकला।

पाली, (निस्)। पिछले दो दिनों से पड़ रही तेज गर्मी के बाद रविवार दोपहर बाद करीब चार बजे रिमाझिम बारिश के बाद तापक्रम पहुंच गया था। ऐसे में रविवार को हुई बारिश से झमाझम बारिश का दौर चला, जिससे पाली शहर की सड़कों पर पानी बहने लगा। मौसम में ठंडक सी छा गई। बारिश होने

से शहरवासियों के चेहरे खिल गए। शनिवार को 45 डिग्री तापक्रम पहुंच गया था। ऐसे में रविवार को हुई बारिश से राहत मिली। चार बजे शुरू हुई बारिश शाम सात बजे तक चलती रही।

भीमडियास गांव में अंधड़ व बारिश ने तबाही मचाई

पेड़ों पर बैठे हुये 500 से अधिक तोते मर गये



मांडल थाना क्षेत्र के भीमडियास गांव में तेज अंधड़ व बारिश से घरों के चहर् उड़ गए

भीलवाड़ा, (निस्)। बीती देर रात्रि को आए तेज अंधड़ व बारिश ने भारी तबाही मचाई। मांडल थाना क्षेत्र के भीमडियास गांव में तेज अंधड़ व बारिश से 100 से अधिक घरों के चहर् उड़ गए और कई घरों की दीवारें ढह गईं, जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत फैल गई। वहीं दीवार के मलबे में दबने से एक महिला का पैर टूट गया। घायल हुई महिला को हॉस्पिटल में ले जाया गया। वहीं गांव में 2 दर्जन से अधिक पेड़ उखड़ गए। कई बिजली के पोल भी टूट गए, जिससे पूरी रात बिजली गायब रही। वहीं गांव

- अंधड़ से 100 से अधिक घरों के चहर् उड़ गए और कई घरों की दीवारें ढह गईं**
- दीवार के मलबे में दबने से एक महिला का पैर टूटा, हॉस्पिटल ले जाया गया**

के बस स्टैंड पर स्थित पेड़ों पर बैठे हुये 500 से अधिक तोते मर गये।

ग्रामीणों ने बताया कि पहली बार ऐसा अंधड़-तूफान देखने को मिला है। गांव में लाखों रुपए के नुकसान का आंकलन किया गया। वहीं मरे हुए सभी

तोतों को जेसीबी द्वारा जमीन में दफनाया गया। अचानक आए इस तूफान में कई लोग बाल-बाल बच गए। कई मवेशियों को भी चोटें आई हैं। लोग सुबह से ही अपने सामान बिखरे हुए सामान को समेटने में लगे रहे।

डॉ. दुर्गा चौहान को ट्रॉमा एनेस्थीसिया परीक्षा में प्रथम रैंक मिली

- पीपा क्षत्रिय समाज की बेटी डॉ. दुर्गा चौहान ने देश में पहला स्थान हासिल किया**

के प्रमुख संस्थानों में सुपर स्पेशियलिटी कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की जाती है और इसे चिकित्सा क्षेत्र की कठिनतम परीक्षाओं में से एक माना जाता है। डॉ. दुर्गा को इस सफलता पर परिवार, समाज और क्षेत्रवासियों ने खुशी का माहोल है। उन्होंने अपनी

सफलता का श्रेय परिवार, गुरुजनों और सहयोगियों को दिया है। उनका कहना है कि वे भविष्य में ट्रॉमा और क्रिटिकल केयर चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए कार्य करना चाहती हैं। डॉ. दुर्गा की मंगनी जालोर जिले के रानीवाड़ा निवासी चंडीगढ़ में अध्ययनरत रेडियोलॉजिस्ट डॉ. भागीरथ परिहार पुत्र मंछाराम परिहार से हुई है। रानीवाड़ा के लोगों को भी इस परिवार पर गर्व है। इस उपलब्धि पर समाज के लोगों ने प्रसन्नता जताते हुए डॉ. दुर्गा को शुभकामनाएं दी हैं और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया है।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पखवाड़े के दौरान जिला कलैक्टर 5 हजार गांवों के अलावा अन्य गांवों में भी सर्वे करें ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा 24 जून से चलाया जायेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि इसमें आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जायेगा

जयपुर, 15 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार चार जातियों, युवा, महिला, किसान और गरीब के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अन्त्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में वंचितों को वरीयता देते हुए राज्य सरकार 24 जून से 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा संचालित करने जा रही है। इसके माध्यम से व्यापक गतिविधियां संचालित कर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा (24 जून से 9 जुलाई) की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प “गरीबी मुक्त

- मुख्यमंत्री ने कहा कि “पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना” के पहले चरण में 5 हजार गाँवों में सभी बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा के ऊपर लायेंगे।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) को प्रदेश में सवा करोड़ लोगों द्वारा योग करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राजस्थान” बनाना है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने ‘पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना’ शुरू की है, जिसके माध्यम से हम पहले चरण में 5 हजार गांवों में सभी बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाएंगे। उन्होंने कहा कि पखवाड़े के दौरान जिला कलक्टर इन 5 हजार गांवों के अलावा अन्य गांवों में भी सर्वे का कार्य प्रारंभ करें ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पखवाड़े के

अन्तर्गत प्रतिदिन ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर इन शिविरों के सफल आयोजन के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति करें। मुख्यमंत्री ने पखवाड़े के संबंध में 20 जून को ग्राम सभा आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि ग्रामीणों को इसकी सम्पूर्ण जानकारी मिल सके।

शर्मा ने कहा कि पखवाड़े के अन्तर्गत योजना में लक्षित परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए

योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पखवाड़े के दौरान रास्तों व जल संरचनाओं से अतिक्रमण हटाने और लम्बित राजस्व प्रकरणों में सहमति बनाने का प्रयास किया जाए।

मुख्यमंत्री ने मानसून की तैयारियों के दृष्टिगत संबंधित विभागों को एक्शन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई और उसका सत्वापन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को अन्तर्गतीय स्तर पर एक नई पहचान और सम्मान दिलाया है। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) पर प्रदेश के सवा करोड़ लोगों द्वारा योग करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांशु पंत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे तथा जिला कलक्टर वीसी के माध्यम से जुड़े।

उत्तराखंड में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उत्तराखंड कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने चारधाम यात्रा में लगातार रहे हठी हेलीकाप्टर दुर्घटना पर गंभीर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि सड़क से लेकर आसमान तक नियोजन और जवाबदेही में बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है जिसके चलते दुर्घटना हो रही हैं। इसके लिए अब जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। अन्य ने यहां जारी एक बयान में कहा कि दो मई को केदारनाथ के कपाट खुलने के बाद यह पांचवीं दुर्घटना है। गत आठ मई को सबसे पहले गंगोत्री जा रहा हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ और इसमें छह लोगों की मृत्यु हुई। तब से लगातार दुर्घटना सामने आ रही हैं। नगर विमानन निदेशालय (डी.जी.सी.ए.) ने यात्रियों की संख्या भी तय की है लेकिन आज जो हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, उसमें पायलट सहित छह लोग थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या ज्यादा कमाई के लिए डीजीसीए के मानकों की अवहेलना की जा रही है।

कूनों से निकला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से अपील की है कि चोते कभी नागरिकों को क्षति नहीं पहुंचाते इसलिए उनके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं करें। बताया गया है कि ग्रामीण भी क्षेत्र में समूह बनाकर निकल रहे हैं और बच्चों को घरों से बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं।

केदारनाथ के पैदल मार्ग पर वर्षा से मलबा आया, यात्रा रोकी गई

मलबे की चपेट में आने से एक श्रद्धालु की मौत, दो घायल

रुद्रप्रयाग, 15 जून। केदार घाटी में लगातार भारी बारिश हो रही है। परिणामस्वरूप केदारनाथ जाने वाले पैदल यात्रा मार्ग पर बारिश के पानी के साथ भारी मलबा जमा हो गया है और मार्ग आंशिक रूप से बाधित हुआ है। मलबे की चपेट में आने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई है तथा दो श्रद्धालु घायल भी हुए हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाली पैदल मार्ग को अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। इसके कारण बड़ी संख्या में बाबा केदार के दर्शनों के लिए आए श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गौरीकुण्ड से केदारनाथ के 19

- गौरी कुंड से केदारनाथ के 19 किलोमीटर पैदल मार्ग में जंगलपट्टी के पास मूसलाधार वर्षा से बरसाती नाले में मलबा व पत्थर आने से पैदल मार्ग आंशिक रूप से बाधित हो गया।

किमी के पैदल मार्ग में जंगलचट्टी के पास लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण बरसाती नाले में मलबा और पत्थर आने के कारण केदारनाथ धाम जाने

वाला पैदल मार्ग आंशिक रूप से बाधित हो गया है।

मौसम पूर्वानुमान के अनुरूप इस पूरे सप्ताह के लिए बारिश का थेलो अलर्ट जारी किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर अग्रिम आदेशों तक केदारनाथ धाम की पैदल यात्रा को सोनप्रयाग से ही स्थगित कर दिया गया है। जंगलचट्टी क्षेत्र में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में फंसे यात्रियों को पुलिस सुरक्षा के बीच नीचे की ओर भिजवाया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक अक्षय कौंडे ने जनपद पुलिस की केदारनाथ धाम आ रहे श्रद्धालुओं से अपील है कि वे जहां पर हैं, वहीं पर सुरक्षित रहें और आसपास के निकटवर्ती स्थलों पर होटल इत्यादि में स्टे करें।

गोदावरी नदी में डूबने से एक परिवार के चार सदस्यों की मौत

निर्मल, 15 जून। तेलंगाना में बसारा तीर्थयात्रा के दौरान गोदावरी नदी में डूबने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी जबकि एक अभी भी लापता है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हादसे के समय हैदराबाद से 18 लोगों का एक

- हैदराबाद से ये सभी लोग बसारा तीर्थयात्रा पर आये थे। नदी में नहाते समय एक परिवार के 5 सदस्य डूब गये। अभी तक चार शव बरामद हुए हैं।

समूह देवी सरस्वती की पूजा करने बसारा गया था। नदी में नहाते समय पांच लोग डूब गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। अब तक नदी से चार शव बरामद किए गए हैं जबकि एक व्यक्ति लापता है।

मुंबई अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, 15 जून। मुंबई के बांद्रा इलाके में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास के कार्यालय में एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके बम होने की धमकी दी, लेकिन यह कॉल फर्जी साबित हुई।

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) पुलिस ने रविवार को बताया कि अमेरिकी वाणिज्य दूतावास कार्यालय में शनिवार करीब आठ बजे एक अज्ञात

- पुलिस को कार्यवाही में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, इसलिए फर्जी कॉल माना जा रहा है।

ने फोन किया और यहां बम होने की बात कही। सूचना मिलते ही बीकेसी पुलिस अधिकारी और बम निरोधक दस्ते की टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे कार्यालय की जांच की लेकिन कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। अज्ञात व्यक्ति के कॉल करने के पीछे के मकसद का पता लगाने से संबंधित जांच शुरू कर दी गयी है।

अमेठी में सड़क दुर्घटना में 5 की मौत

अमेठी, 15 जून। उत्तर प्रदेश में अमेठी के शुकुल बाजार थाना क्षेत्र में रविवार सुबह पूर्वोच्चल एक्सप्रेस वे पर शव लेकर जा रही एक एंबुलेंस एक वाहन से टकरा गयी। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूर्वोच्चल एक्सप्रेस वे पर माइल स्टोन 59 के नजदीक रविवार सुबह यह हादसा उस समय हुआ जब शव लेकर हरियाणा से बिहार जा रही तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने पिकअप वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गये और उसमें सवार चालक समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। हादसे में पिकअप चालक को भी मामूली चोट आयी है। स्थानीय पुलिस और यूपीडा के

साइप्रस के राष्ट्रपति ने हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया

हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग भी मोदी के स्वागत के लिए आए

साइप्रस, 15 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में आज साइप्रस पहुंचे जहां राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलीड्स ने स्वयं हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया। मोदी का विशेष विमान भारतीय समयानुसार करीब पांच बजे साइप्रस के लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग भी मौजूद थे।

साइप्रस के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर मोदी 15-16 जून को यहां की आधिकारिक यात्रा पर आए हैं।

मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, साइप्रस में पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष भाव के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलीड्स को मेरा आभार व्यक्त किया है। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी।

- साइप्रस की दो दिन की यात्रा में द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए व्यापक चर्चा होगी। यहाँ से मोदी दो दिन जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कैनडा जायेंगे। भारत लौटते समय वे क्रोएशिया का भी दौरा करेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस पहुंच गए हैं। गहरे ऐतिहासिक संबंधों को प्रतिबिंबित करने वाले एक विशेष संकेत के रूप में राष्ट्रपति क्रिस्टोडोलीड्स और विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटीनोस कांम्बोस ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए व्यापक चर्चाएँ होनी हैं।

मोदी तीन देशों के दौरे पर हैं। साइप्रस के बाद वह 16-17 जून को कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और वापसी में क्रोएशिया का भी दौरा करेंगे।

मोदी ने तीन देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा, आज, मैं साइप्रस गणराज्य, कनाडा और क्रोएशिया की तीन देशों की यात्रा पर जाऊँगा। 15-16 जून को मैं राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलीड्स के निमंत्रण पर साइप्रस का दौरा करूँगा। साइप्रस भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ में एक करीबी दोस्त और एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यह यात्रा ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने और व्यापार, निवेश, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में हमारे संबंधों का विस्तार करने और लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करेगी।

जम्मू-कश्मीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तनाव चरम पर है। इन छात्रों की रिहाइश ईरान के रणनीतिक सैन्य प्रतिष्ठानों के निकट ही है।

इन क्षेत्रों में इजरायली हमलों की आशंका अधिक है। वहां रह रहे छात्र लगातार हवाई हमलों, वायु रक्षा सायरनों और सैन्य गतिविधियों की आवाजें सुन रहे हैं, जिससे भय और बेचैनी का माहौल बना हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि भारत को इस संकट में निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए। हम इजरायल और ईरान से संचयन इत्रने और बातचीत से समाधान निकालने की अपील करते हैं।

साथ ही भारत को अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाना चाहिए।

केन्द्र सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भूमिका है। सड़कों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण से सुगम परिवहन संभव होगा, जिससे औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

ब्रिटिश लड़ाकू विमान आपात स्थिति में केरल में उतरा

- हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में ब्रिटिश नौसेना में तैनात पोत से यह लड़ाकू विमान नियमित उड़ान पर था। खराब मौसम व ईंधन की कमी के कारण उसे केरल में उतरने की अनुमति मिली थी।

प्रदान की जा रही है और भारतीय वायुसेना सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है।

उल्लेखनीय है कि इस विमान ने हाल ही में भारतीय नौसेना के साथ एक सैन्य अभ्यास में भी हिस्सा लिया था। यह विमान केरल हवाई अड्डे पर ईंधन भरे जाने के इंतजार में है। ईंधन भरे जाने के बारे में भारत और ब्रिटेन के संबंधित अधिकारियों के बीच बातचीत हो रही है।

दस मरीजों की मृत्यु के बाद करीना में जान गंवाने वालों की संख्या 97 हो गई।

थी। दिल्ली और मध्य प्रदेश में नये संक्रमण 10-10 बढ़ कर क्रमशः 682 और 130 हुये, जबकि केरल में 102 मामलों की कमी आयी, हालाँकि केरल का कुल मामले सबसे ज्यादा 2007 है।

सरकारी वेबसाइट के अनुसार पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़ , छत्तीसगढ़ , गोवा, हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, पुडुचेरी और त्रिपुरा में कोविड-19 नये मामले दर्ज नहीं किये गये हैं। इस वायरस से दिल्ली में जिन तीन लोगों की मौत हुयी है, उनमें 57 वर्ष की एक महिला, 83 वर्षीय महिला और 57 वर्षीय पुरुष शामिल हैं।

पुणे में इंद्रायणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटना से बहुत दुखी हूं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की और जमीनी हालात के बारे में जानकारी ली। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

पुणे में पुल टूटने से हुए हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो इस समय साइप्रस में हैं, ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की। उन्हें प्रभावित लोगों की सहायता के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई।

रूपाणी के शव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें से 41 की शिनाख्त हो गई है, 20 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए हैं। एम्बुलेंस के जरिए सिक्कीम के साथ शवों को उनके गृहनाथ पहुंचाया जा रहा है।